वह बहिष्कृत राजा

... वचन की सेवकाई के द्वारा परमेश्वर की महिमा को आज अपने लोगो के ऊपर लाने के लिए। और यह एक...

2 इस पिछले सप्ताह, इस हल्के से मौसम से मुझ पर थोड़ा सा प्रभाव पड़ा। सही में इस मौसम में नहीं कहता; यह एक शारीरिक परिक्षण था जो मुझे लेना था। और यही आपने सुना है, कि मैं अस्पताल में था। यह इसलिए था क्योंकि मुझे बार– बार नदी के आरपार ना आना–जाना पड़े। आपको ऊपरी आहार और निचला आहार लेना होता हैं। और उन्हें हर कुछ मिनटों के पश्चात, उन्हें फिर से एक्स–रे करना होता है। यदि हम बाहर समुन्द्र पार उद्देश्य से जाते हैं, तो हर छह महीने के पश्चात हमे इसे करना होता है। भाई रॉबर्ट्स और वे, मैं सोचता हूं, कि अपना हर छह महीने में करवाते हैं। परन्तु मैंने चार वर्षों से नहीं करवाया।

3 परेशानी यह है, मैं वह अरंडी का तेल पसंद नहीं करता, केवल यही बात है। और वे कहते हैं कि बदले में और कुछ नहीं हैं, कि वे जिसे दे सकते है, इसलिए मैं, ओह, जब वे मुझे वह चीज देते है तो मैं बहुत बीमार हो जाता हूं। आप जानते हैं, मैंने अपनी जीवन कथा में बताया है, कि कैसे वह चीज मुझे इतना बीमार कर देती हैं। और—और मैं उस चीज को लेना पसन्द नही करता। और मैंने अपने शिष्ट डॉक्टर मित्र से कहा, यदि... "क्या कोई और चीज नहीं है? "

और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मैं नहीं सोचता की है।"

4 ओह, जब वह महिला भीतर आती है, तो ऐसा प्रतीत हुआ, हो सकता है, मैं बढ़ा–चढा कर रहा हूं, परन्तु, एक चौथायी गैलन जितना दिखा। यह—यह था... मैंने इतना अधिक कभी नहीं देखा। और बस मैंने अपनी नाक पकड़ी और मुंह को बंद किया। लेकिन अंत में मैं इसे गटक गया।

5 परन्तु अब, इन सारे परिक्षणों में, और यह सारे इसमें से होकर गये, मैं इस अच्छे परिक्षणों के लिए प्रभु का धन्यवाद देता हूं। एक सौ प्रतिशत उतीर्ण रहा; मैं संसार में कहीं भी जा सकता हूं, जहां भी जाना चाहूं। मैंने डॉक्टरों से पूछा, कि वे कौन से तीन अच्छे विशेषज्ञ, जो, मुझे—

मुझे लगता है, लुइसविले में थे। और मैंने उनसे पूछा, मैंने कहा, "क्या मैं न्यूनतम दस प्रतिशत अयोग्य हूं? "

6 कहा, "आप में जरा भी कमी नहीं है।" कहा—कहा, "आप पूर्णत: स्वस्थ हैं, हर प्रकार से।" और मैं परमेश्वर का इतना आभारी हूं। इसे कौन कर सकता है सिवाये हमारे स्वर्गीय पिता के, देखिए, इस प्रकार से?

7 और उसने कहा, "आपकी... आपकी सारी गतिविधि, वहां पर, यह दर्शाती है, कि आप युवा हो।" उसने कहा, "आपके लहू की कोशिकाये टूटनी भी आरंभ नहीं हुई है, या कुछ भी।" उसने कहा, "आप अच्छी अवस्था में हैं, भाई ब्रन्हम।"

और मैंने कहा, "भाई, मैं बहुत प्रसन्न हूं।"

8 और मुझे अस्पताल में हर नर्स से बात करने और गवाही देने का विशेषधिकार मिला, और हर डॉक्टर से, परमेश्वर के राज्य के लिए। और एक विशेष डॉक्टर, और मैं सोचता हूं उसे इस प्रात: यहां होना चाहिए। और मैं—मैं... मैं यह जानकर आनन्दित हूं कि अब भी इस संसार में अच्छे लोग है, वास्तविक लोग, वे लोग जिन्होंने मुझे पांच दिनों तक शारीरिक परिक्षण में रखा, जो कि उसमें से प्रत्येक दो या तीन सौ डॉलर का था। जब मैं उन में से होकर निकल रहा था, उन्होंने कहा, "प्रभु के कार्य के लिए यह हमारा योगदान है, जो कि आप कर रहे हैं।" समझे? जी हां। यहां तक की... कहा, "आप क्यों हमें लज्जित कर रहे है, यह पूछ कर भी कि यदि हमारा आप पर कर्ज आता है।" कहा, "केवल हमारे लिए आपकी प्रार्थनाये!"

9 "और अंदर की ओर," उन्होंने कहा, "हमने एक उत्तेजना जैसा कुछ पाया जो हम समझ नहीं सके।" और मैंने कहा... "अच्छा... यह—यह ऐसा प्रतीत नहीं होता... " उसने कहा, "बाहरी रूप से, आप अधीर या परेशान नहीं हैं। परन्तु," कहा, "भीतरी, एक भावना है जो हम नही समझ सकते।"

10 मैंने कहा, "यदि आप यहां थोड़ी देर के लिए बैठेंगे, तो मैं आपको बताऊंगा।" और मैं दर्शनों के लिए बताने लगा। उनके लिए यह एक दूसरा क्षेत्र था। इसके लिए वे कुछ नहीं जानते थे। मैंने उन्हें बाईबल के विषय में बताया। तब मैंने उस दिन जो प्रभु ने दर्शन दिया वह बताया, और वे बालकों की नाई रोने लगे। वहां बैठ कर और रोये। और मैं... वे... मैंने कहा,

"मैं आशा करता हूं कि आप मुझे कोई धार्मिक सनकी नहीं समझेंगे या कुछ और।"

11 बोले, "भाई ब्रन्हम, किसी भी प्रकार से नहीं। मैं इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं।" उसने कहा, "परन्तु केवल एक बात मैं कहना चाहता हूं: आप इन चीजों को सीखने के लिए किसी विद्यालय को नहीं गए।" कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि यह सब सर्वशक्तिमान परमेश्वर की ओर से हैं।" और वे लुइसविले के तीन अच्छे वाले चिकित्सक थे, सबसे बढ़िया जो उनके पास थे। और, इस प्रकार से मैं इसके लिए बहुत प्रसन्न था, और यह जानकर हो सकता है प्रभु मुझे वहां कोई बीज बोने दे।

12 प्रत्येक नर्स ने उनसे बात की। वे, एक प्रात:, वे एक्स–रे के कमरे से बाहर आ रहे थे, मैंने कहा... मैंने बेचारी एक बूढी महिला को देखा। वह बहुत ही बीमार थी। और मैं नीचे और नीचे उतरता चला गया जब तक मैंने उसे पा नहीं लिया। मैंने सोचा हो सकता है वह मर रही हो। और मैंने कहा, "बहन, मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूं।"

वह बोली, "जी हां, श्रीमान।"

मैंने कहा, "क्या आप एक मसीही है? "

और उसने कहा, "मैं उस *विशेष* कलीसिया से सम्बंधित हूं।"

13 और मैंने कहा, "मैं इसे थोड़ा और स्पष्ट कर देना चाहता हूं।" मैंने कहा, "मैं—मैं यह जानना चाहता हूं यदि आप वास्तव में एक वास्तिविक मसीही हैं। ताकी, यदि आपको यह जीवन रूपी सागर पार करके उस दूसरे देश में जाना चाहिए, तो क्या आप उसे प्रेम करती हैं? " मैंने कहा, "क्या आप वास्तव में बच जायेगी? "

और उसने कहा, "जी हां, श्रीमान। मैं बच जाऊंगा।"

14 और मैंने कहा, "तो फिर परमेश्वर आपके ह्रदय को आशीषित करे। कोई मतलब नहीं हवा जिधर भी चले, जब तक यह इस प्रकार चलती रहती है।"

15 और यदि हम जरा चक्कर लगाए, तो अब भी बहुत सारे भले लोग संसार में बचे हुए हैं।

16 अब, आज, मैं यहां भीतर एक दर्शन के साथ आया हूं जो मैं आपको थोड़ी देर बाद बताऊंगा। और मैं पहले कुछ वचनो पर बोलना चाहता हूं,

क्योंकि मैं विश्वास करता हूं कि वचन बहुत ही आवश्यक है, अब बहुत ही आवश्यक है। और मैं चार्ली कॉक्स, और, भाई, मेरे मित्र जो वहां एक साथ खड़े हैं, देख कर आनन्दित हूं। भाई, मैं नहीं सोच सकता... जैफ्रीस, मैं उसका नाम याद नही कर सक रहा हूं। आप में और बहुत से दूसरे बहुमूल्य भाई लोग जॉर्जिया से, राष्ट्र के विभिन्न भागों से है। मेरे पुराने प्रिय मित्र, बिल, यहां पर बैठे हुए है, मैं विश्वास करता हूं आज प्रात:। और—और बहुत से... और वहां जॉर्जिया से, भाई जिन लोगो ने मुझे यह सूट दिया है। आप जानते हैं, जो—जो अब तक मैंने पहना उसमें यह सबसे अच्छा सूट है। और आपने मेरे लिए बहुत विचार किया। और आप मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। जब मैं आपको बताता हूं कि पिछले कुछ दिनों में, मेरे साथ क्या हुआ, आप देखेंगे मैं क्यों यह सोचता हूं मेरे लिए बहुत ही अर्थ रखता है।

17 अब, मैं विश्वास करता हूं, यदि प्रभु ने चाहा, मैं पहले से कहीं अधिक जोर से जो मैंने कभी जीवन में लड़ा, इस युद्ध को लड़ना चाहता हूं। क्योंकि, मैं पाता हूं कि अब ये... ठीक है, मैं आज मर सकता हूं। जो कि, आप नहीं जानते। मेरे ह्रदय परिक्षण और सब चीजे, सोलह विभिन्न प्रकार के एक्स–रे, जी हाँ, एक पूरा शारीरिक परिक्षण, यह दर्शाता है कि मैं... जैसा कि कोई भी साधरण व्यक्ति हो सकता है, एक मनुष्य इस पृथ्वी पर। इसलिए मैं इसके लिए धन्यवादित हूं। परन्तु, सारी चीजें, यहां तक कि यह सब, जैसे कि मैं परमेश्वर का धन्यवादित और आभारी हूं, जो कि मैं हूं, कि मैं विश्वास करता हूं वह अब भी मुझे अपनी सेवा में रखे हुए है, यह वह नहीं था कि जो उसने मुझे अभी थोड़ी देर पहले थोड़ा सा दिखाया, देखिए, मुझे बहुत ही आनन्दित किया।

18 अब, आज रात्रि, मैं सोचता हूं... यह आपके साथ ठीक है? [भाई नेविल कहते हैं, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] हमारा—हमारा बहुमूल्य भाई एक अस्वार्थी मनुष्य है—है, जो भाई नेविल है—है। और यदि आप में से कोई पिछले रविवार को यहां था और उस शानदार संदेश जो वे लाये थे सुना, "तेल की कुप्पी," यह था–... एक विशेष संदेश जो मैंने कभी सुना, जिसे भाई नेविल ने लाया था, पिछले रविवार पवित्र आत्मा के द्वारा, इस छोटे से भेड़ के झुण्ड के जो यहां एकत्र है।

19 और यदि मैं ठीक रहा, प्रभु को अच्छा लगा, और भाई नेविल और कलीसिया के साथ, मैं आज रात्रि फिर बोलना चाहता हूं और मैं कहूं कि

सोमवार रात्रि से एक श्रृंखला आरंभ करुगा... मेरा अर्थ, रविवार रात्रि, और बुधवार रात्रि, और अगले रविवार, एक श्रृंखला जिसका मैंने अध्ययन किया है।

20 मुझे वहां पर अस्पताल में रुकना नहीं पड़ेगा। परन्तु वे मेरे लिए इतने भले थे, कि उन्होंने मुझे एक तिहाई किराये में कमरा दिया। और इसलिए मैंने बस अपनी बाईबले और अपनी पुस्तके ली, और पलंग के साथ रख ली, और अपना सारा सामान उठा लिया, और वहां व्यवस्थित कर दिया मैंने अपनी सारी बाईबले और चीजे वहां आसपास रख दी। और मेरे पास वास्तव में समय था, जब तक वे उस अरंडी का तेल नहीं लाये। और मेरा अच्छा समय वहीं समाप्त हो गया। तब मेरा—मेरा पूरा हो गया। परन्तु, भाई पैट, मैं वास्तव में बीमार था। वह चीज, मैं बस सह नहीं सका। और, परन्तु मेरा अच्छा समय बीता पहले तीन या चार दिन। मेरा अच्छा समय रहा।

21 और मैं इफिसियों की पुस्तक का अध्ययन कर रहा था। ओह, यह एक साथ कलीसिया को व्यवस्थित करना! और मैं सोचता हूं कि यह सुंदर बात है।

22 और—और यदि आप, अब, यदि आपकी कोई कलीसिया है जिसमें आप जाते हैं, तो आप आगे बढ़े और अपने कर्तव्य को पूरा करे। परन्तु यदि आपके पास कलीसिया नहीं है, और आज रात्रि आप वापस आना चाहते हैं, और बुधवार की रात्रि, और रविवार रात्रि, आज रात्रि, मैं इफिसुस की पहली पुस्तक लेना चाहूंगा, और बुधवार की रात्रि, इफिसियो का दूसरा अध्याय, और अगले रविवार को, इफिसुस का तीसरा अध्याय, कि कलीसिया को व्यवस्थित करे। आप जानते हैं कि मेरा क्या अर्थ है, इसे—इसे यथा स्थान में रखना। और मैं सोचता हूं कि यह कलीसिया को ऊपर की ओर बनाना है।

23 मैं नहीं... मैं—मैं यह केवल ब्रन्हम आराधनालय में आने वालों से कह रहा हूं।

24 और यदि कोई प्रिय भाई... मैं आप में से बहुतो को जानता हूं, मैं सोचता हूं, कि उनकी सभाये है। हमारा छोटा भाई सेलर्सबर्ग में, और—और दूसरे–दूसरे जिनकी सभाये हैं। अब, देखिए, वे बेदारी की सभाये है। आप उनमें उपस्थित हो। वे मसीह के दास हैं, युवा लोग जो मध्यस्था में

खड़े हैं, यह निकल कर आता हैं। जबकि उनकी अपनी ही कलीसिया सत्य का बहिष्कार करती है, और इस प्रकार की बाते, वे इससे अलग हो जाते है। और परमेश्वर उन्हें सेवकाई के लिए बुलाता है। जी हां, श्रीमान। मैं—मैं उस मनुष्य की सराहना करता हूं... मैं उस व्यक्ति का नाम भी याद नहीं कर सक रहा हूं। परन्तु वह एक युवा व्यक्ति है, भला, सुंदर दिखने वाला, और सुन्दर पत्नी और बालक हैं।

25 और—और भाई जूनी जैक्सन कुछ सभाये यहां ले रहे हैं, जो की एक शानदार ध्यान देने वाला, विजयोपहार परमेश्वर का आश्चर्यजनक अनुग्रह है। और जब उनकी सभायें आपकी कलीसिया में होती है, तो आप वहां जाये, क्योंकि यह आपकी... यही वो चीज है जिसे करना है। क्योंकि, आप नहीं जानते, हो सकता है पापी वेदी पर आए, और आप उस व्यक्ति को मसीह के पास लाने के लिए प्रभावकारी हो, जो कि उस पर आपका महान पुरुस्कार होगा।

26 यह केवल एक शिक्षा और कलीसिया को व्यवस्थित करना है, यहाँ आराधनालय में, जैसे–जैसे हम बढ़ रहे हैं, हमारी सहायता कर रहा हैं।

27 अब, मैं अपनी घड़ी नहीं लाया हूं, इसलिए कोई मुझ पर ध्यान रखे। डॉक् ने मुझे दिखाया है, उसके पास एक है, इसलिए, मेरे भाई। इसलिए अब... [भाई एडगर "डॉक्" ब्रन्हम कहते हैं, "मैं आपसे इसके लिए अधिक नहीं वसुलुंगा," और अपनी घड़ी भाई ब्रन्हम को देते है—सम्पा।] आप इसके लिए मुझसे अधिक ना वसूलेगे? तो ठीक है। ठीक है, अब, यह ठीक है। अच्छा, अब, मैं विश्वास नहीं करता कि यह आरंभ से ही ठीक है। इसलिए... ["आपका धन्यवाद। मैं आपके ऊपर एक बताने जा रहा हूं।"] अब, ओह, ओह, श, श, श, श। ["मैंने अपने जन्मदिन पर दस पैसे रोक रखे है, इस प्रात: ताकि आपको अच्छा अनुभव हो।"] क्या आपने? अब यह... यह घड़ी तो अब बहुत बेहतर चल रही है, डॉक्। कहा उसने अपने जन्म दिवस पर दस पैसे रोक रखे है, ताकि मुझे अच्छा लगे, क्योंकि उसके और मेरे बीच में दो या तीन हैं। ताकि आप देख सके कि मैं मार्ग में कहां पर हूं। परन्तु, ओह, मुझे इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता। अब, मैं अधिक समय तक नहीं बोलूंगा।

28 अब, यदि कोई हमारे मध्य में अपरिचित हो, तो हम निश्चय ही आपका पूरे ह्रदयो से स्वागत करते हैं। आपका इस छोटे से आराधनालय में बहुत

ही स्वागत है। हमारे पास बहुत अच्छी बड़ी इमारत नहीं है। यह अभी हमारी योजना है, कि बड़ा स्थान नही बनाना है, परन्तु बस एक... यह वाला बहुत ही पुराना हो गया है। और हम जल्द ही एक अच्छा छोटा आरामदायक आराधनालय बनाने का यत्न कर रहे हैं, जैसे ही हम... प्रभु हमें करने की अनुमति देगा। और आप में से बहुत से इसके लिए प्रयत्नशील हैं, और निश्चय ही हम इसकी सराहना करते हैं।

29 अब मैं चाहता हूं आज की प्रात: आप मेरे साथ पढ़ने के लिए पहले शमूएल 8वां अध्याय निकाले, और लगभग 19वें पद से पढ़े 19वां और 20वां पद, एक छोटे से मूल पाठ संदर्भ के लिए।

30 और अब, जैसा ही आप इसे निकालते हैं, और इससे पहले हम... हम इसे पढ़े, और तब हम प्रार्थना में जाना चाहते हैं। और यदि आज प्रात: कोई निवेदन हो, और कहे, "कि मुझे स्मरण रखे"? दो या तीन सप्ताह पहले, हमारी अंतिम भेट में, जब मेरी सभा थी... कहते हैं, हम...

31 वैसे, जब आप इसे निकाल रहे हैं, अब चाटाकुआ में सभा 6 तारीख से आरंभ हो रही है। हम एक महान समय की आशा कर रहे हैं, मिडिलटाउन, ओहियो में। आप जिनकी छुट्टियाँ आ रही है, आईये। और एक बड़ा शिविर, ठीक वहां नदी पर, जहां, ओह, हम... सारा प्रचार जो आपने कभी सुना हो। वे वहां नदी के आसपास, प्रचारक, हर प्रात:, सारे दिन भर और रात। इसलिए वे सब एक साथ एकत्र होते हैं। यह एक बड़ा शिविर स्थल, सिल्वर हिल से बहुत बड़ा, कई गुना है। और—और तब एक बड़ा स्थान जहां हम आठ से दस हजार के बीच लोगों को रख सकते हैं। और यह सदा भरा रहता है। ओहियो में हमारा महान समय था।

32 और बूढ़े भाई किड, जिसके लिए मैं उस प्रात: प्रार्थना करने गया। आप सब को याद होगा मैंने तीन सप्ताह पहले बताया था? डॉक्टर ने जीवित रहने के लिए चौबीस घंटे बताए थे। वह वहां है और आसपास घूम रहे है। उसने एक पवित्र वचन का उल्लेख दिया, एक गीत वह गा नहीं सकते। उस प्रात: जाकर और जब मैंने उन्हें भीतर देखा, और उनके ऊपर एक शॉल थी। मैं दिन निकलने से तीन या चार घंटे पहले निकला, ताकि मैं उन्हें पा सकूं। उन्होंने बताया वह तो उसी दिन मर जाते; प्रोस्टेट ग्रन्थी में कैंसर।

33 और उनकी बहुमूल्य, बूढ़ी पत्नी ने प्रति दिन में पचास सेंट के लिए धुलाई की; यह दिन निकलने से पहले, और जब तक रात नही हो जाती,

पचास सेटों के लिए, ताकि अपने पति को बाहर प्रचारक के समान रख सके। दो सप्ताहो की बेदारी प्रचार किया, और भेंट ली, अस्सी सेंट मिले।

34 परन्तु उस दिन मैंने उन्हें वहां पर बैठे हुए देखा, वे दो, बूढ़े जोड़े, बल्की, छोटा सा जोड़ा, वहाँ बैठा था, और उसकी छोटी सी शॉल उसके कंधे पर थी। और एक उनका मत परिवर्तन किया हुआ, ब्यानबे वर्ष का बुढा, बिल्कुल चुस्त और चमकदार, और ह्रदय की गहराई से पेंटीकोस्ट, और वहां बैठा हुआ था, आप जानते है। और मैंने कहा, "आप जानते हैं कि आप बूढ़े लोग यहां पर क्यों बसे हुए हैं? केवल अपनी नाव की आने की प्रतीक्षा में।" बस यही है। उनके कार्य, सब जो उन्होंने किए, एक—एक उद्देश्य से उन्होंने पूरा किया, और अब वे अपने पुरस्कार को लेने के लिए जाने को तैयार हैं।

35 और मैंने भाई शेव से कहा, कि भाई किडसन... किड, उस प्रात:, "आप चाटाकुआ की सभा में होंगे।"

36 उसने मुझे बीते कल बुलाया, कहा, "मैं... मैं भाई ब्रन्हम मैं वहां होऊंगा।" बहुत अच्छा।

37 मेरी नई सेवकाई में बहुत सारी सभायें आ रही है। एक भाई, बैपटिस्ट भाई यहां खड़ा है, उसकी किशोर आयू की बेटी, एक प्रकार से थोड़ी सी भटकी हुई थी। और उसे बताया, "प्रभु यीशु में मैं तुम्हारी बेटी देता हूं," उस प्रात:। और जब वह घर पहुंची, वह बच गई थी। और इस प्रात: दूसरी वाली यहां है, और बपतिस्मा लेने जा रही है और बढ़ रही है।

38 और एक व्यक्ति, श्रीमान सोथमन, कनाडा से मेरा मित्र, उसकी सास मरणावस्था में थी, कहा, "जब तुम वहां वापस पहुंचो तो अपनी सास को पाओगे, ठीक है, अपनी चंगाई की ओर आगे बढ़ रही है, ठीक है।" यह बस इसी प्रकार से था। और बस... लोग अंदर आ रहे हैं। यह अपनी आरम्भिक अवस्था में है, बढ़ रहा है। परन्तु, ओह, हम इससे अधिक बढ़ कर, बहुतायत से आशा कर रहे हैं। अन्त के दिनों में, हम बुरे समय में है, परन्तु उस महिमामय घड़ी में।

39 अब आपके पास अपनी बाईबल है, शमूएल का 8वां अध्याय, पढ़ने के लिए? और मैंने जीन से प्रतिज्ञा की है कि वहां पीछे रहे, कि इस बाकी को टेप कर ले। अपनी सभाओं में हम केवल आरंभ कर रहे है।

तौभी उन लोगों ने शमूएल की बात ना सुनी; और कहने लगे, नहीं; हम निश्चय अपने लिए राजा चाहते है;

जिससे हम भी... हो सकता है कि राष्ट्र... *और* सब *जातियों के समान हो जाये; और हमारा राजा हमारा न्याय करे, और हमारे आगे–आगे चल कर, और हमारी ओर से युद्ध किया करे।*

... लोगों की यह *सब बातें सुनकर शमूएल ने... यहोवा के कानों तक पहुंचाया।*

यहोवा ने शमूएल से कहा, उनकी बात मानकर, उनके लिए राजा ठहरा दे। तब शमूएल ने इस्राईली मनुष्यों से कहा, तुम सब अपने अपने नगर को *चले जाओ।*

40 अब यदि मैं आज प्रात: इसमें से चुनने का यत्न करूं, तो अगले कुछ मिनटों के लिए, मैं मूल पाठ को क्या कहूंगा, मैं इसके मूल पाठ: *बहिष्कृत राजा* चुनना चाहता हूं।

41 यह वह समय था, जैसा कि सारे समय रहा, कि लोग कभी नहीं चाहते थे कि परमेश्वर उन्हें मार्ग दर्शन करके ले चले। वे मार्ग दर्शन के लिए अपनी ही तरह का मार्ग दर्शक चाहते थे। और इस प्रात: यह कथा... और जब आप अपने घर जाए, तो अच्छा होगा कि आप यह सारा का सारा पढे। यह शमूएल के समय के—के दिनों की बात है, परमेश्वर का जन, भविष्यवक्ता। और वह एक धर्मी मनुष्य था, और एक भला मनुष्य, आदरणीय, सम्मानजनक, सच्चा और ईमानदार, लोगो के प्रति, उन्हें कभी धोखा नहीं दिया, और उन्हें सीधा–सीधा **यहोवा यों कहता है** को छोड़ और कुछ नही बताया।

42 परन्तु लोगो को ऐसे स्थान पर आना पड़ा जहां वे इस योजना को बदलना चाहते थे। उन्होंने फिलिस्तिनो को देखा, और अमालेकियों, अमोरियों, हित्तीयों, और संसार के दूसरे राष्ट्रों को, और उन्होंने देखा कि उनके पास राजा थे जो उन पर राज्य, और प्रभुता करते, और उनकी अगुवाई करते, और अपनी लड़ाईयां लड़ते, और आदि–आदि। और यह प्रतीत हुआ कि वे इस्राएली अपने आपको इन राजाओं के समान बनाना चाहते थे, और इन लोगों के समान।

43 परन्तु यह कभी भी, युग में नही हुआ, परमेश्वर की इच्छा उसके लोगो के लिए हो कि वे संसार के लोगों के समान व्यवहार करें, या उन पर प्रभुता की जाए या संसार के लोगों के समान नियंत्रित किए जाए। जैसे की परमेश्वर

के लोग, सदा विचित्र लोग, एक—एक भिन्न लोग, एक बुलाए गए लोग, अलग किए गए लोग, और कुल मिलाकर अपने व्यवहार, और अपने मार्ग में, बिल्कुल भिन्न, अपने रहने के ढंग में, संसार के लोगो से अलग रहे है। उनकी चीजों के लिए इच्छाए, और उनके सारे श्रृंगार के लिए, सारे चीजों से विपरीत रहे है जो संसार के लोग चाहते हैं।

44 और इस्राएल के लोग शमूएल के पास आकर और कहने लगे, "अब, तू बूढा हो रहा है, और तेरे पुत्र तेरे मार्ग पर नहीं चलते।" क्योंकि, वे शमूएल के समान सच्चे नहीं थे। वे रिश्वतखोर थे और पैसे लेने वाले। और उन्होंने कहा, "शमूएल, तेरे लड़के तेरे समान नहीं हैं, इसलिए हम चाहते हैं कि तू जाकर और हमारे लिए एक राजा ढूंढ, और उसे अभिषेक कर, और हमें संसार के लोगो के समान लोग बना दे।"

45 और शमूएल ने उन्हें बताने का यत्न किया कि यह कार्य नहीं करेगा। उसने कहा, "यदि तुम यह करते हो, तो पहली बात तुम यह जान लो, कि तुम पाओगे वह तुम्हारे सारे बेटो को घर से बुलवा लेगा, और उन्हें सिपाही बना कर, अपने रथ के आगे दौडायेगा, और हथियार और भाले लिए हुए। केवल इतना ही नहीं, परन्तु वह तुम्हारी पुत्रियों को बुलवा कर, रोटीयाँ सिकवायेगा, और सेना को खाना खिलाने के लिए तुम से अलग कर देगा। और," कहा, "इसको छोड़ वह तुम्हारी उपजो में से निश्चित टैक्स को लेगा और तुम्हारे सारे लाभ से। वह कर वसूलेगा कि सरकार के देनदार रहो, आदि–आदि उसे तो भुगतान करना ही है।" उसने कहा, "मैं सोचता हूं कुल मिलाकर, तुम लोग गलती कर रहे हो।" परन्तु जब...

46 लोगों ने कहा, "परन्तु हम फिर भी बाकी लोगों के समान होना चाहते हैं।" पुरुषों और स्त्रियों में कुछ होता है, कि वे एक दूसरे के समान होना चाहते हैं। और अब तक केवल एक ही मनुष्य इस पृथ्वी पर रहा है जो हमारा आदर्श है, और वही वो एक था जो हम सब के लिए मरा, हमारा प्रभु और बचाने वाला, यीशु मसीह। वह हमारा सिद्ध आदर्श था जो कि हमें होना चाहिए, कि हमेशा पिता के कार्य में रहे, और जो ठीक है करते रहे।

47 और इससे कोई मतलब नहीं कि शमूएल कितना भी लोगो को लगातार समझाने की कोशिश करे, वे उसके पीछे दिन और रात लग गए, "हमें एक राजा चाहिए। हम एक मनुष्य को चाहते हैं। हम एक मनुष्य चाहते हैं जिसे हम कह सके कि, 'यह हमारा अगुवा है।'"

48 और यह परमेश्वर की इच्छा कभी नहीं रही। यह कभी भी परमेश्वर की इच्छा नहीं थी, या कभी भी परमेश्वर की इच्छा नहीं रहेगी, कि एक मनुष्य दूसरे पर प्रभुता करे। परमेश्वर मनुष्य पर प्रभुता करता है। परमेश्वर हमारा शासक, हमारा राजा है।

49 और यह आज का बहुत ही बड़ा जोखिम है, क्योंकि उस मनुष्य का भी यही विचार लगता है। वे इस बात को समझने के योग्य नही लगते कि अब भी परमेश्वर मनुष्य पर शासन करता है, बजाये मनुष्य, मनुष्य के ऊपर शासन करे।

50 इसलिए उन्होंने स्वयं एक शाऊल नाम मनुष्य को चुन लिया, जो कि कीश का पुत्र था। और वह माननिय और एक सम्मान योग्य मनुष्य था। परन्तु वह लोगों को सही प्रतीत हुआ बिल्कुल सही, क्योंकि वह महान, लंबा, कुलीन, अति सुन्दर मनुष्य था। पवित्र वचन बताता है कि वह सिर और कंधे से इस्राएल में किसी भी मनुष्य से ऊँचा था। राजा के समान दिखाई पड़ता था, और मुख से वह सुंदर था। वह कुबाग्र बुद्धी और विशेष पुरुष था।

51 और, इसी प्रकार का व्यक्ति लोग आज चुनना चाहते हैं। लोग जिस प्रकार से परमेश्वर अपनी कलीसिया को रखना चाहता है लोग उससे संतुष्ट प्रतीत नहीं होते, कि पवित्र आत्मा के द्वारा शासित और नियंत्रित किए जाए। वे किसी को चाहते हैं, किसी व्यक्ति, किसी संप्रदाय, कुछ निश्चित लोग कि कलीसिया को शासित करें। कि, वे स्वयं को पूर्णत: आत्मिक रूप से परमेश्वर के हाथ में नही देना चाहते कि पवित्र आत्मा के द्वारा अगुवाई की जाए। वे किसी को चाहते हैं कि उनके लिए धार्मिकता करे, कोई जो उन्हें बताएगा कि इसे कैसे करे, और सब कुछ इस विषय में।

52 इसलिए यह व्यक्ति ठीक उपयुक्त प्रतीत हुआ, क्योंकि वह बहुत तेज बुद्धीवाला व्यक्ति था।

53 और आज सब का सब ऐसा ही है। हम ऐसे ही लोगों को चुनना भी चाहते हैं, कि हमारी कलीसियाओ को नियंत्रित करे, कि परमेश्वर की कलीसिया को नियंत्रित करे। मुझे इसके विरोध में कुछ नहीं कहना है, परन्तु केवल प्रंसग बनाने के लिए, कि: यह नहीं है, ना ही था, और ना ही होगा यह कभी भी परमेश्वर की इच्छा नहीं होगी, कि ऐसा हो। परमेश्वर अपने लोगों पर शासन करे, कि प्रत्येक व्यक्ति को नियन्त्रित करे।

54 तब हम पाते हैं कि यह किश का पुत्र, महान पुरुष, और—और उसकी छवि, और उसका... वह लोगों को सही प्रतीत होता है, कि उसके कपड़े उस पर बहुत अच्छे दिखेंगे। और उसके सिर पर ताज, एक तरह से सब दूसरे लोगों के ऊपर होगा, जैसे वह चला, वह एक—एक वास्तव में इस्राएल राज्य की सम्पत्ती होगा। क्योंकि, दूसरे राजा दूसरे राष्ट्रों के सोचेंगे, "देखो क्या ही व्यक्ति है!" वे कैसे अपनी उंगली उठाकर संकेत करके कह सकेगे, "यहाँ देखो, हमारे पास क्या ही महान राजा है! देखो, क्या ही महान व्यक्ति जो हमारे ऊपर है!"

55 और दु:ख से कहता हूं, परन्तु कलीसिया में कितना सत्य है, वे कहना पसंद करते हैं, "हमारा पास्टर संकर्ण विचार वाला मनुष्य नहीं। वह एक महान व्यक्ति है। वह हार्टफोर्ड से स्नातक," या कोई बड़े धर्म विद्यालय से है। "उसके पास *अमूक–और–अमूक* स्थान से चार डिग्रियाँ है। और वह लोगों में बहुत ही घुल मिल जाता है।" वह सब ठीक हो सकता है, और इसका अलग स्थान है। परन्तु परमेश्वर की विधी अपनी कलीसिया के लिए पवित्र आत्मा के द्वारा मार्गदर्शन करना है, और उसके आत्मा के द्वारा।

56 परन्तु वे यह कहना पसंद करते हैं, "हमारे पास यह वाली महान नामधारी संस्था है जिससे हम संबंधित हैं। हमने आरंभ के पथप्रदर्शक के दिनों में आरंभ हुए थे, जब हम अल्पसंख्यक थे, थोड़े से लोग, और कम। और अब हम उस स्थान तक बढ़ गए हैं इतना तक कि हम बड़े नामधारियो में से हैं। हमारे पास सबसे अच्छे विद्यालय, और सबसे अच्छे शिक्षित सेवक हैं। हमारे यहां अच्छे ऊंचे लोग है। और नगर के बड़े बुद्धिमान लोग हमारे संप्रदाय में उपस्थित होते हैं। और हम दान देते हैं। और हम अच्छे–अच्छे कार्य करते हैं, और ऐसे ही सब।" परमेश्वर ना करे, कुछ भी नहीं, कि मैं उसके विरोध में एक शब्द भी बोलूं, क्योंकि यह सब अच्छा है।

57 परन्तु, फिर भी, यह परमेश्वर की इच्छा नहीं है कि मनुष्य, मनुष्य पर शासन करे। परमेश्वर ने पेंटीकोस्ट के दिन, पवित्र आत्मा भेजा, कि वह मनुष्यो के ह्रदयो में राज्य करे, और उसके जीवन में राज्य करे। यह मनुष्य के लिए मनुष्य के ऊपर राज्य करने के लिए नहीं था।

58 परन्तु हम यह कहना पसंद करते हैं। यह श्रेष्ठ बात है जब हम कहते हैं कि हम उस महान अमूक संस्था से सम्बन्धित हैं।

59 "क्या आप एक मसीही है? " इसी प्रकार से मैं इस मूलपाठ पर आया

हूं, जब मैं अस्पताल में था। और मैंने एक से पूछा, "क्या आप एक मसीही हैं? "

"मैं *अमूक–अमूक* से सम्बन्धित हूं।"

"क्या आप एक मसीही है? "

"मैं उस *अमूक–अमूक* से सम्बन्धित हूं।"

60 और एक छोटी नर्स पलंग के पास आई, जहां मैं बाईबल पढ़ रहा था, और वह उस स्थान में एक—एक नई नर्स थी। और उसने कहा, "आप कैसे हैं।" उसने कहा, "मैं विश्वास करती हूं कि आप आदरणीय ब्रन्हम है, यहां पर शारीरिक परिक्षण के लिए है।"

मैंने कहा, "मैं ही हूं।"

61 और उसने कहा, "क्या मैं आपकी पीठ रगड़ सकती हूं, एलकोहल से ताकि आप थोड़ा अच्छा अनुभव करे? "

और मैंने कहा, "आप यह कर सकती हैं।"

62 और जबकि वह मेरी पीठ को रगड़ रही थी, तो उसने कहा, "कि आप कौन सी नामधारी कलीसिया से सम्बन्धित है? "

63 और मैंने कहा, "ओह, मैं सबसे पुराने नामधारी से सम्बन्ध रखता हूं जो वहां है।"

और उसने कहा, "वह कौन सा नामधारी है? "

64 मैंने कहा, "यह वह है जो कभी संसार के व्यवस्थित होने से पहले व्यवस्थित हुआ था।"

65 और, "ओह," उसने कहा, "क्या? मैं विश्वास नहीं करती कि मैं ऐसा जानती हूं।" उसने कहा, "मैं एक *अमूक* कलीसिया से सम्बन्धित हूं। क्या यह वह संस्था है? "

66 मैंने कहा, "नहीं, महोदया। यह तो केवल दो सौ वर्ष पहले की संस्था है। परन्तु यह संस्था जब भोर के तारे एक साथ गाते थे, तब आरम्भ हुई और परमेश्वर के पुत्र आनंद से चिल्लाये, जब उन्होंने मनुष्य जाति के बचाने वाले को आते देखा।"

67 और वह मेरी पीठ रगड़ते रुक गई। और *इस* प्रकार से मैं थोड़ा सा रुक गया था, ताकि वह रगड़ सके। और वह वहां पास में कोरीडोन से थी।

हम बात कर रहे थे। और उसने कहा, "श्रीमान, मैंने सदा यह विश्वास किया है यदि परमेश्वर कभी परमेश्वर था, तो वह आज भी परमेश्वर है, जैसे वह पहले दिनों में था।" उसने कहा, "यद्यपि मेरी कलीसिया इसका साफ इन्कार करती है, परन्तु मैं विश्वास करती हूं कि यह सत्य है।"

68 और मैंने कहा, "युवा महिला, आप परमेश्वर के राज्य से अधिक दूर नहीं है।"

उसने कहा, "यदि वह कभी भी चंगा करने वाला रहा था, क्या वह अब चंगा करने वाला नहीं है? "

मैंने कहा, "मेरी बहन निश्चय ही वही है।"

69 परन्तु मनुष्य प्रभुता करना चाहता है, और मनुष्य पर प्रभुता करना चाहता है। और मनुष्य, मनुष्य को चाहता है कि उस पर राज्य करे। वो नहीं चाहता कि परमेश्वर राज्य करे।

70 इसलिए यह कीश का पुत्र, जिसका नाम शाऊल था, वे जो चाहते थे, उस बात का उत्तर था बड़ा गौरव युक्त मनुष्य। और... ओह, वह उनकी उनके युद्ध और इत्यादि में अगुवाई कर सकता था। परन्तु, फिर भी, यह कामो को करने का परमेश्वर का विधान नहीं था। परमेश्वर चाहता था कि उसका विश्वासयोग्य बूढ़ा भविष्यव्यक्ता उनका निर्देशन करे, और उसके वचन उन से कहे।

71 अब, आज, हमारे इस बड़े कलीसियायी युग में जिसमें हम रहते हैं, हम, मैं सोचता हूं, और अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं, कि हम ठीक उसके विपरीत चले गए हैं जो कि परमेश्वर ने हमें करने के लिए ठहराया था। हमारे बचाने वाले के अंतिम शब्द जो उसने मरकुस 16 में थे। कहे:

> *तुम सारे जगत में जाकर, और सारी सृष्टी के लोगो को सुसमाचार प्रचार करो।*
>
> *जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा;... जो विश्वास ना करेगा, वह दोषी ठहराया जाएगा।*
>
> *और विश्वास करने वालों में यह चिन्ह होंगे; कि वे मेरे नाम से दृष्ट आत्माओं को* निकालेंगे; *नई–नई* भाषा *बोलेंगे;*
>
> और यदि *वे सांपो* को *उठा लेंगे*; या... *नाशक* वस्तू... *पी जाए*, तौभी *उनकी* कुछ हानी *ना* होगी; और यदि *वे... बीमारों* पर

उनके *हाथ रखेंगे,... और वे चंगे हो जाएंगे।*

72 कोई मनुष्य नहीं है, कीश का पुत्र नहीं, या कोई भी, जो पवित्र आत्मा की अगुवाई के बाहर इसे उत्पन्न कर सके। परन्तु हमने विद्यालय बना लिए, हमने धर्मविद्यालय बना लिए, और संस्थान बना लिए, कि—कि संतुष्ट हो जाए, और संसार के दूसरे लोगो के समान दिखाई पड़े।

73 अब, इस राष्ट्र में पवित्र आत्मा मार्गदर्शक हुआ करता था। जब यह राष्ट्र पहले नियन्त्रित हुआ करता था... जब इन्होंने स्वतंत्रता की घोषणा लिखी। और वहां अतिरिक्त कुर्सी राखी हुई थी। मेरे मस्तिष्क में जरा भी संदेह नहीं, परन्तु वह जो परमेश्वर का पुत्र मेज पर बैठा था, जब इस राष्ट्र की नेव धार्मिक स्वतंत्रता के आधार पर रखी गयी और सब के लिए स्वतंत्रता, और परमेश्वर के अनंत वचन के आधार पर।

74 परन्तु हमने इसे भ्रष्ट कर दिया। राजनीतियां; खरीदने बेचने के प्रभाव में हम लोग वोट देते है, और झूठी प्रतिज्ञाये करते है। इतना तक... हमारा राष्ट्र, और हमारी राजनीतियां, और हमारा लोकतंत्र, इतना भ्रष्ट हो गया है इतना तक—इतना तक कि यह साम्यवाद और दूसरे वादों के साथ एक साथ मिल गया है।

75 और बहुत सी बार हम प्रार्थना की सभायें करते है, जब कि राष्ट्रों के संघ मिलते हैं, और वहां... या कि परिचर्चा हो। और एक निश्चित, बड़े समय, हाल ही में, एक भी समय नही हुआ कि प्रार्थना के लिए कहा गया हो। बिना प्रार्थना के हम कैसे अपने मतभेदों को तय कर सकते हैं? हम कैसे इस समस्त संसार में, कभी आशा करते है कि कोई भी कार्य बिना पवित्र आत्मा की अगुवाई के हो?

76 परन्तु मैं प्रेम और सम्मान के साथ अपने राष्ट्र के लिए और इसके झंडे के लिए कहूं, और लोकतंत्र जिसके पक्ष में यह खड़ा है: हमने अपने मार्गदर्शक, पवित्र आत्मा का बहिष्कार कर दिया है, और उस राष्ट्र राजनीति से लोगो को विकृत विचारो में ले आये है। और यदि आप ध्यान नहीं देते हैं, तो वे बहुत घातक गलती करने जा रहे हैं, जो उन्होंने कभी की, ठीक अभी, क्योंकि लोग चाहते हैं कि मनुष्य राज्य करें।

77 एक राष्ट्रपति होने के नाते हमें राजधानी में किसकी आवश्यकता है, कांग्रेस में किसकी आवश्यकता है, हमारे न्यायालयों में, हमें किसकी आवश्यकता है, वे लोग जिन्होंने अपने जीवन को परमेश्वर के लिए पवित्र

किया हो, और पवित्र आत्मा से भरे हुए हो, और उसके दिव्य निर्देश से प्रेरित हो। परन्तु, बजाये इसके, हम ने बुद्धिजीवी मनुष्यों को चुना जो "भक्ति का भेष धरते है, और परमेश्वर की शक्ती का इन्कार करते हैं," मनुष्य जो नास्तिक हैं, और कभी–कभी उससे भी बेकार, हम इन्हें अपने राजनीतिक क्षेत्र में ले आए है, अपने राष्ट्र के।

78 केवल इतना ही नहीं, परन्तु हमारी कलीसियाओ में। हमारी कलीसियाये इस आधार पर भ्रष्ट हो गई है कि हम अपने चरवाहों को चुन रहे है कि हमारा मार्ग दर्शन करे, हम धर्मविद्यालयों में चले गए और उन मनुष्यों को चुन लिया है जो बड़े बुद्धिमान हैं, मनुष्य जो मस्तिष्क से तेज हैं, वे मनुष्य जिनके पास छात्रवृतियां है, और लोगों में मिलने जुलने वाले, और आसपास में बड़े–बड़े व्यक्ति हैं, जिनके विरोध में मुझे कुछ नहीं कहना है। वे लोग जिनके जीवनयापन का अपना ढंग है, अपने जीवन काल में सजग है, और वे किस प्रकार से अपना व्यवहार लोगो में दिखाते हैं, और लोगों में, अपने क्षेत्र के बड़े लोग, जिसके लिए मैं कुछ बुरा ना कहूं। परमेश्वर ना करे कि मेरी आत्मा कभी इतनी बुरी हो। परन्तु, फिर भी, परमेश्वर ने हमारे लिए यह नही चुना।

79 यह पवित्र आत्मा का मार्ग दर्शन है: मसीह लोगो के ह्रदय में। बहुत से वे बुद्धिमान मनुष्य जो हमारे प्रचार मंच पर खड़े होते हैं, पवित्र आत्मा के वास्तविक अस्तित्व को अस्वीकार करते हैं। उनमें से बहुत से दिव्य चंगाई के आस्तित्व को स्वीकार नही करते और आत्मा के सामर्थ को।

80 कल मैं एक लेख पढ़ रहा था, मैं विश्वास करता हूं कि वह अखबार लेख की एक श्रृंखला जो जैक कोए की ओर से थी, स्वर्गीय जैक कोए, ... प्रभु यीशु की ओर मेरे द्वारा मत–परिवर्तित व्यक्ति, जो कि एक शक्तिशाली बहादुर मनुष्य था, अपने दिनों का। और जिसे फ्लोरिडा में प्रश्न करने के लिए बुलाया गया, एक युवा बालक से अपने अपाहिज पैरों में से टेक निकालने के कारण, और ताकी वह मंच पर यहाँ से वहां चले। और ऐसा करने से, बालक सामान्य रूप से मंच पर यहाँ से वहां चला, और जब वह अपनी मां के पास पहुंचा तो गिर पड़ा। सारे वे जो मसीह के शत्रु तैनात थे, यह युवा महिलाये और उसका पति हमारे बहादुर भाई को वहां की कचहरी में ले आए।

81 और जबकि प्रत्येक कलीसिया को भाई जैक के साथ खड़ा होना चाहिए

था, जब हर कलीसियायी व्यक्ति को जो यीशु मसीह के नाम का उल्लेख करता है, उसके साथ बहादुरी के साथ खड़ा होना चाहिए, हर व्यक्ति जो प्रभु यीशु का नाम लेता है, प्रार्थना में अपने घुटनों पर आ जाना चाहिए था, लेकिन, विपरीत, इसके अखबार की मुख्य पंक्तियों में, हमारे एक बड़े नामधारी वर्ग ने कहा उन्होंने नास्तिकों से हाथ मिलाया, भाई जैक को कि दोषी ठहराये, कि जेल हो जाये। क्या आप एक कलीसिया की कल्पना कर सकते हैं, कि स्वयं को मसीह के नाम का कहला रहे है, उन नास्तिको से हाथो को मिलाए, ताकी भक्त मनुष्य को दोषी ठहराये जो की अपने पूरे ह्रदय से बाईबल का पक्ष लेने के लिए खड़ा हो? परन्तु उन्होंने इसे किया।

और तब भाई गॉर्डन लिंडसे बचाव पर थे।

82 और जब अविश्वासी जज ने कहा, "यह व्यक्ति एक धोखेबाज है क्योंकि उसने बालक के पैर से वह सहोर की टेक निकाल दी और उसे मंच पर भेजा, और कहा कि वह चंगा हो गया। और उसने झूठ बोला, और डॉक्टर के आज्ञा के विरुद्ध कुछ किया, इसलिए उसने उसके विरोध में मुकद्दमे को हथिया लिया।"

83 और श्रीमान कोए खड़े हुए, और उन्होंने कहा, "श्रीमान, मैं इस वक्तव्य या कथन को चुनौती देता हूं। परमेश्वर ने लड़के को चंगा किया था।"

84 और जज ने कहा, "मैं इस कचहरी में किसी भी व्यक्ति से पूछता हूं यदि यह वक्तव्य सत्य हो सकता है, कि परमेश्वर उस लड़के को मंच के एक ओर चंगा करता है, और दूसरी ओर उसे बीमार कर देता है। यदि यह वक्तव्य बाईबल से सिद्ध किया जा सकता है, तो फिर श्रीमान कोए का वक्तव्य ठीक है।"

85 और एक सेवक ने अपना हाथ उठाया, और उसने कहा, "आदर्णीय, श्रीमान, क्या मैं इसका बयान दे सकता हूं? "

और जज ने कहा, "बयान दीजिए।"

86 और सेवक ने पैरो पर खड़े होकर, और कहा, "एक रात्रि, एक उथल–पुथल मचाते हुए समुद्र पर, जब एक छोटी नाव वहां तलहटी में डूब जाती है, बचने की आशाये जाती रही। उन्होंने यीशु परमेश्वर के पुत्र को पानी पर चल कर आते हुए देखा। और एक चेलो में जिसका नाम पतरस था, उसने कहा, 'यदि तू, प्रभु है, तो मुझे पानी पर चल कर आने को कह।'" और उसने कहा, "प्रभु ने उस चेले से कहा पतरस, 'आ जा।' और श्रीमान

उसने नाव में से कदम बाहर निकाला, और यीशु के समान चल रहा था, पानी पर चल रहा था। परन्तु जब वह डर गया, तो वह यीशु के पास पहुंचने से पहले डूबने लगा।"

जज ने कहा, "मुकदमा खारिज हो गया।"

हमें पवित्र आत्मा की अगुवाई चाहिए, ना कि बुद्धिमान लोग।

87 शाऊल, कीश का पुत्र, लोगों के ऊपर सरदार बना दिया गया, और उसने दो हजार मनुष्यों को ले लिया, और योनातान ने हजार ले लिये। और योनातान ने सिपाहियों की टुकड़ी लेकर अमोरियो, अमोरियो के झुण्ड को मारा। और जब—जब उसने उन्हें मारा, शाऊल ने तुरही फूंकी, और कहा, "तुमने देखा शाऊल ने क्या किया है।" वह फूलने लगा।

88 जैसे–जैसे व्यक्ति धर्म विज्ञान का कोई बड़ा धर्म ज्ञानी बनने लगता है, या अपने नाम के पीछे कुछ पाने लगता है, वह बनने लगता है, अधिक या कम, सब जानने लगता है।

89 परमेश्वर के लोग नम्र लोग होते है। परमेश्वर के लोग नम्र लोग होते हैं। जब आप किसी को यह कहते हुए देखते हैं कि उन्हे पवित्र आत्मा मिला है, और स्वयं को अलग करने लगते हैं, प्रतीत होता है, कि विश्वास नही है, और कुछ बनने के लिए यत्न करते जाते है, जो कि वे नहीं हैं, तो ध्यान रखें, कि उन्होंने प्रभु यीशु को ग्रहण नहीं किया।

90 तब हम पाते हैं कि शत्रु भीतर आ जाता है। और वह परमेश्वर के छोटे से झुंड में आने को था, और प्रत्येक व्यक्ति की दाहिनी आंख निकालने पर था।

91 शत्रु सदा यही करने का प्रयत्न करता है, कि यदि हो सके तो लोगो की दोनों आंखे निकाल ले, ताकि लोग यह ना देख सके कि वे क्या कर रहे हैं। आज शैतान हर मसीही के साथ यही करने का यत्न कर रहा है, कि उसकी आत्मिक आंखे निकाल ले, ताकि वह केवल बुद्धी की बातों का अनुकरण कर सके, और पवित्र आत्मा की इन्द्रिय उसका मार्ग दर्शन ना करे।

92 इसलिए तब जब उन्होंने यह किया, जब वह बड़ी पराजय हुई, तब शाऊल ने दो बडे बैल काट कर और सब लोगों को भेज दिए। और मैं चाहता हूं कि आप यहां पर ध्यान दें, जब शाऊल ने बैलो के टुकडे इस्राएल में

भेजे, और कहा, "प्रत्येक वह व्यक्ति जो शमूएल और शाऊल के पीछे नहीं चलेगा, उसे *इन* बैलो के समान कर दिया जाएगा।" क्या आपने देखा कि उसने स्वयं को कितने धोखे के साथ परमेश्वर के लोगो के समान उपस्थित किया? यह कितना—कितना गैर मसीही था! लोगों में शमूएल के कारण भय था। परन्तु शाऊल ने उन्हें अपने पीछे अनुकरण के लिए लगा लिया क्योंकि लोग शमूएल का भय मानते थे। "उन्हें शमूएल *और* शाऊल के पीछे आने दो।"

93 और आज हम इसे कितनी बार सुनते है! "हम एक महान कलीसिया है। हम मसीह की कलीसिया है। हम परमेश्वर की कलीसिया है। हम वो—वो *ऐसे–और–ऐसे* लोग हैं।" इससे लोग भयभीत हो जाते है, और यह सोचते है कि वास्तव में वहां परमेश्वर कार्य कर रहा है। और वे पवित्र आत्मा की अगुवाई को नहीं चाहते। विपरीत इसके वे मनुष्यो का अनुकरण करते है, क्योंकि वे अपना ही व्यक्तिगत जीवन जीना चाहते हैं। जो वे चाहते है वे उसी का विश्वास करते हैं।

94 क्या आप देखते हैं? पवित्र आत्मा हमारा जज है। परमेश्वर ने हमें कभी भी पोप, या एक बिशप, न्यायी होने के लिए नहीं दिया। पवित्र आत्मा, परमेश्वर का जन, पवित्र आत्मा के रूप में, हमारा जज और हमारा मार्गदर्शक है। अब, यह क्यों है?

95 कृपया इस अभिव्यक्ति को क्षमा करे, और बहुत ही अशिष्ट अभिव्यक्ति को। मेरा अर्थ ऐसा करने का नहीं है। मैं इसे प्रेम से कह रहा हूं।

96 परन्तु पवित्र आत्मा यह कहता है कि हमारी महिलाओं के लिए बाल काटना गलत है। और हमारी महिलाओं के लिए यह गलत है कि वे छोटे कपडे और चिपके पजामे को पहने, और अपने होठों का शृंगार करे और चेहरे को रंगे। पवित्र आत्मा कहता है यह गलत है।

97 लेकिन हम चाहते हैं कि लोग हमें कहे यह ठीक है, "जब तक हम मेरा और शमूएल का अनुकरण करते रहेंगे।" वे छह दिनों तक जैसा चाहते है वैसा ही रहते हैं, और रविवार की प्रात: कलीसिया में जाते हैं। और बढिया कॉलेज के स्नातक तेज बुद्धिमान बहुत सी डिग्रियों के साथ उनको छोटा सा उपदेश सुनाते है वही होगा... उसमें कुछ हंसी ठट्ठा, वह उनके कानों को गुदगुदायेगा और उनका मनोरंजन करेगा, एक सिनेमा और टेलीविजन के प्रोग्राम के समान होगा। और उन पर छोटी सी प्रार्थना कहेगा, और उन्हें

एक—एक एक प्रकार की अपने ही इच्छा में सुरक्षा के साथ घर भेज देता है कि उन्होंने अपने धर्म को किया है। यह पवित्र आत्मा की इच्छा नहीं है।

98 पवित्र आत्मा चाहता है कि आप भक्ति का जीवन बिताए, सप्ताह का प्रत्येक दिन, और प्रत्येक रात्रि, और स्वयं को संसार की बातों से अलग करते हुए।

99 परंतु कलीसिया यह नहीं चाहती। वे किसी मनुष्य को चाहते हैं जो—जो बाईबल का अनुवाद कर सके जिस तरह से वे इसे सुनना चाहते हैं। वे पवित्र आत्मा की आवाज को जो बाईबल में से होकर बोल रही है उसे नहीं सुनेंगे। उनमें से बहुत से कहना चाहते हैं, "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए।" लोगों को यही पसन्द आता है। वे कहना चाहते हैं कि, "पवित्र आत्मा का कोई बपतिस्मा नहीं है।" लोग उससे भिन्न व्यवहार नही करना चाहते है जो बाकी का संसार व्यवहार करता है। वे सड़क में नहीं आना चाहते और उन्हें अपना मुंह धोना पड़े, और—और वे लोग जो स्वच्छा मुखमण्डल के साथ है, और उनके मुंह में सिगरेट, और—और सिगार नही है, और पाईप, और—और वे बाते जो लोग करते हैं। और महिलाएं अपने बालो को छोटा–छोटा कटवाना चाहती हैं, और—और छोटे–छोटे वस्त्र पहनना, और अपने आकार को प्रदर्शित कर रही है, और–और बातें जो वे चाहते हैं। वे—वे ऐसे लोगो को चाहते हैं जो उन्हें यह बतायेंगे कि, "यह सब ठीक है।"

100 फिर, उस रात्रि, यहाँ एक व्यक्ति ने आकर मुझे बताया, क्योंकि मैंने अमूक–अमूक के विरोध में प्रचार किया है, कि एक बड़ी नामधारी, उनमें से लगभग पांच ने, कहा, "हम भाई ब्रन्हम को छोड़ देंगे और उनसे कोई मतलब नही रखेंगे। या तो आप उन टेपों को वापस लेकर, और उनके लिए क्षमा मांगें, या हम आपको छोड़ देंगे।"

101 मैंने कहा, "मैं परमेश्वर के वचन के साथ खड़ा हूं। यदि यह जो भी मेरे जीवन में है सब कुछ ले ले, मैं वचन के साथ बना रहूंगा। और मैं... "

कहा, "तो, आप *अमुक–अमुक* टेपो को क्या वापस नहीं लेंगे? "

102 मैंने कहा, "मैंने अपने जीवन में कभी भी ऐसा प्रचार नहीं किया, कि मुझे लज्जित होना पड़े। मैं कोई भी टेप या अभिलेख वापस नहीं लेता। जो पवित्र आत्मा कहता है मैं उसके साथ बना रहता हूं। जिससे आप मैं जीता और मरता हूं।" अब अपने विषय में कहने का यत्न नहीं कर रहा हूं। परन्तु

मैं आपको केवल एक उदाहरण देने का प्रयत्न कर रहा हूं कि क्या चल रहा है, इसलिए आप देखेंगे और समझेंगे। ये लोग है जो मनुष्यों के द्वारा अगुवाई को चाहते है।

103 उन्होंने शमूएल को नहीं चाहा। तब इसके पहले कि वे राजा शमूएल का अभिषेक करते... याने शाऊल का, राजा का, मुझे क्षमा करें, शमूएल उनके पास फिर से आया। और अब मैं उसी भाषा में बोलने जा रहा हूं जैसा कि वह आज बोलता। आप इसे पढ़ सकते हैं। उसने कहा, "परमेश्वर का तुम्हारा राजा होने में क्या परेशानी है? "

"भाई, हम परमेश्वर को नहीं देखते।"

104 "अरे, मैं उसका प्रतिनिधि हूं," शमूएल ने कहा, "क्या मैंने कभी भी तुम्हे कुछ गलत बताया? क्या मैंने कभी कोई ऐसी भविष्यवाणी की जो कि घटित नहीं हुई, जैसा कि मैंने कहा ऐसा होगा? क्या मैंने तुम्हे प्रभु का वचन नहीं बताया? और मैं तुमसे यह पूछूंगा: क्या मैंने तुम्हारे पास आकर और तुम्हारे पैसे मांगे? क्या मैंने तुम्हारी कोई चीज ली? क्या मैं तुम्हारे पास **यहोवा यों कहता है** को छोड़ कुछ और लाया? और परमेश्वर ने उसे सिद्ध किया, हर बार यह सत्य था।" और उसने गरजता तूफान और वर्षा भेजी (आप वचन को जानते है आप ठीक उसी स्थान में हैं।) यह सिद्ध करने के लिए कि शमूएल परमेश्वर का मुख है।

105 और जैसा कि शमूएल आज ठीक सही प्रतिनिधित्व कर रहा है: आज, वो पवित्र आत्मा का— पवित्र आत्मा परमेश्वर का मुख है: जो ठीक वही बोलता है जो बाईबल बोलती है; वही विश्वास करता है जो बाईबल ने कहा, और उससे अलग नहीं होता, जरा सा भी।

106 परन्तु वे किसी को चाहते है जो उन्हें भिन्न बताये। और लोग यह ना कह सके कि शमूएल की भविष्यवाणी सिद्ध नहीं थी। उन्होंने उत्तर दिया और कहा, "शमूएल, वह सब जो तूने प्रभु के नाम से कहा, तो जैसा तू ने कहा, प्रभु ने उसे वैसा ही घटित किया। इसमें एक भी खोट नहीं है। तू कभी भी हम से हमारे पैसे मांगने नहीं आया। तू ने स्वयं अपना खर्चा उठाया। तू ने अपने लिए कभी भी कोई विशेष बात करने के लिए, कभी नहीं कहा। तूने अपने परमेश्वर पर भरोसा रखा, और उसने तुझे सब बातो से छुड़ाया। और तेरे वचन सच्चे है। हर बात जो तू ने प्रभु के नाम से कही, वैसी ही हुई जैसा तू ने कहा। परन्तु फिर भी हम राजा चाहते हैं।"

107 क्या आप विरोध को देख सकते हैं? क्या आप—आप शैतान की—की चालाकी को देख सकते हैं, जो मनुष्य जाति पर कार्य कर सकती हैं? बजाये इसके कि स्वयं पुरुष या महिला अपने आप को पवित्र आत्मा को समर्पित करे, और सुने कि **यहोवा यों कहता है** क्या है, उस विशुद्ध जीवन के लिए, एक साफ चरित्र ले लिए, भिन्न प्रकार के जीवन के लिए, एक विचित्र लोग, एक पवित्र राष्ट्र, विचित्र व्यवहार वाले लोग; वे विपरीत इसके संसार के साथ मेल करते, संसार का सा व्यवहार, और उस कलीसिया में जाते हैं जो कहते हैं, "यह ठीक है, ऐसे ही व्यवहार करते हुए और बढ़ते रहे।"

108 क्या आप देख सकते हैं कि यह क्या है? वे कहते हैं, "चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है। ओह, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा कलीसिया का एक कार्य करने का ढांचा था।" तब दूसरे शब्दों में, परमेश्वर ने मनुष्यो को लिया, पवित्र आत्मा को कलीसिया से बाहर निकाला, और नामधारी को इसे बनाने दिया। कभी नहीं, कभी नहीं। ऐसी कोई बात नहीं है। पवित्र आत्मा, सत्य का वचन, उसे यीशु के आने तक मार्गदर्शन करना था। परन्तु यह इस प्रकार से है ऐसे—ऐसे ही चला।

109 शाऊल सामर्थ में आया। वह महान... अनुकरण के लिए उसे बड़ी भीड़ मिल सकती थी। ओह, उसके पास सुंदर हथियार थे। उसके पास गायक थे। उसके पास ढालें और भाले थे। ओह, वह समस्त राष्ट्रों से अधिक बढ़ गया था। और वह उन्हें लोकतंत्र में ले आया जो कि किसी भी चीज से बढ़ कर थी जो कि किसी ने कभी सुना हो।

110 और बिल्कुल ठीक यही हमारे नामधारी और कलीसियाओं ने आज किया है। हमारे पास संसार में सबसे बड़ा भवन हैं। हमारे पास संसार में सबसे सुंदर कपड़े पहने हुए लोग हैं। हमारे पास बड़ी–बड़ी छात्रवृत्तियां है जो कि दी जा सकी।

111 जैसे की शाऊल के प्रशिक्षित लोग जो उस भाले को लेकर, और उसे घुमा सकते और युद्ध अभ्यास कर सकते यहां तक कि राष्ट्र उनसे भयभीत हो जाते। वे प्रशिक्षित लोग थे, और आदि–आदि। परन्तु, एक दिन, वहां एक समय आ गया कि एक चुनौती देने वाला आ गया। और इसने समस्त इस्राएली सेना को इतने जोर से ललकारा यहां तक कि वे खड़े–खड़े, अपने जूतों में थरथराने लगे। गोलियत ने उन्हें चुनौती दी, "यदि तुम्हारा परमेश्वर

वह है जिसे तुम कहते हो कि वह है! तुम लोग सबसे अच्छे प्रशिक्षित लोग हो।" और उसने उन्हें चुनौती दी। वे ना समझ पाए कि क्या करे। उनके बढियां, चमकदार हथियार कार्य नहीं करेंगे। उनके भाले कार्य नहीं करेंगे। कुछ था जो उन्होंने अनसुना किया था, इससे पहले कि यह घटित होता।

112 और सारे आदर और भक्ति भावना, और सम्मान, और बड़पन और प्रेम और मसीही संगति से, मैं यह कहता हूं: मैंने उस दिन उस अफ्रीकन अखबार में पढ़ा, जहां हमारा कीश का पुत्र, हमारा सुसमाचार सुनाने की चुनौती देने वाला, जब एक मुसलमान ने बिली ग्राहम को चुनौती दी। कहा, "यदि तुम्हारा परमेश्वर, परमेश्वर है, तो वह रोगी को चंगा करे जैसा कि उसने कहा वह करेगा।" और कीश का पुत्र, अपनी सेना समेत, अपने आप को शांत किया और वहां से निकल गए और देश को छोड़ दिया, हार गए। यह कलंक है। हमारा परमेश्वर, परमेश्वर है।

113 हमारे पास हमारी अच्छी कलीसियाये है। हमारे अपने अच्छे सुसमाचार सुनाने वाले है। हमारे अपने वेतनभोगी गायक हैं। हमारे पास सबसे अच्छी गायन मण्डलीयां हैं, राष्ट्र की सबसे ऊंची मीनार। हमारे यहां सबसे अच्छे लोग, जिनके पास बहुत धन है। हमारे यहां बुद्धीमान है। हमारे यहाँ विशेष धर्मज्ञान; हम इसे प्रचार कर सकते हैं; हम इसे बता सकते हैं। हम धर्मप्रसार करके और लोगों को अंदर ला सकते हैं, और हर वर्ष लाखों मतपरिवर्तनों को बढ़ा सकते है, कलीसिया में। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] हमारे वेतन भोगी गायक, हमारे बुद्धीमान सुसमाचार प्रचारक, नहीं जानते कि ऐसी चुनौती को कैसे स्वीकार करें। वे इस विषय में कुछ नहीं जानते। वे पवित्र आत्मा के बपतिस्मे की चंगाई की सामर्थ के विषय में कुछ नहीं जानते, जो सामर्थ कैंसर से मरने वाले की छाया को हटा दे, और उसे स्वतंत्र कर दे। वे इसके विषय में कुछ नहीं जानते। वे कार्यक्षेत्र में प्रशिक्षित नहीं किए गए, जैसे शाऊल और उसका मनुष्य द्वारा बनाया गया झुण्ड था।

114 परन्तु मैं परमेश्वर के लोगों से कह दूं, और आप बालको को, ताकि आप जान सको कि परमेश्वर आपको बिना गवाही के नहीं छोड़ेगा।

115 शाऊल समझ नहीं पा रहा था, शाऊल इस विषय में कुछ नहीं जानता था। परन्तु परमेश्वर के पास छोटा दाऊद वहीं कहीं पहाड़ो में था, जो कि भेड़ो को गिर्जे संबंधी घास नहीं खिला रहा था। वह उनकी अगुवाई सोते के जल और हरी चरागाहों में कर रहा था। वह अपने पिता की भेड़ों के विषय

में सोचता था। और यदि कुछ भीतर आ जाये, कोई शत्रु उसके पिता की भेड़ को पकड़ ले, तो वह परमेश्वर की सामर्थ को जानता था कि भेड़ को छुड़ा ले।

116 परमेश्वर के पास अब भी कहीं दाऊद है, जो जानता है कि परमेश्वर की भेड़ को छुड़ाने का क्या अर्थ होता है, परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा। वह अब भी उसके विषय में सब जानता है।

117 उसने विश्वास किया था। वह शाऊल के हथियारों के विषय में कुछ नहीं जानता था, ना ही उसने इन्हें कभी लिया था। वह उनके नामधारियों को नहीं चाहता था। वह उन पुराने हथियारो को अपने ऊपर नहीं चाहता था। उसने कहा, "मैं इसके विषय में कुछ नहीं जानता। परन्तु जिस सामर्थ को मैं जानता हूं उसी में मुझे जाने दो।" उसने अपने पिता की भेड़ों को खिलाया। उसने चरागाहों की चिन्ता की। उसने उन्हें सही प्रकार का भोजन दिया, और वे जीवित रही और फलती–फूलती गयी।

118 "मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित नहीं रहेगा। परन्तु हर उस वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, मनुष्य जीवित रहेगा।" सच्चा चरवाहा उन्हें खिलाता है। "यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है।" और यदि शत्रु एक को रोग से पकड़ ले, तो वह परमेश्वर की सामर्थ को जानता है।

119 छोटे दाऊद को देखिए, वहां खड़ा है। कहा, "वह व्यक्ति जन्म से ही योद्धा है। और अपने युवावस्था से, उसने सिवाए भाले और हथियार के कुछ नहीं जाना। वह भली भांति प्रशिक्षित है। वह धर्मज्ञानी है। और तुम इसके विषय में कुछ नहीं जानते।"

120 उसने कहा, "श्रीमान, यह सत्य है। मैं उसकी धर्मज्ञान के प्रशिक्षण के विषय में कुछ नहीं जानता। परन्तु केवल एक बात है जो मैं जानता हूं, कि, जब शत्रु भीतर आता है मेरे पिता की भेड़ को ले जाने के लिए, तब मैं परमेश्वर की सामर्थ के साथ गया। मैंने उसे छुड़ाया। मैं उसे सुरक्षित फिर से अच्छे स्वास्थ्य में ले आया। मैं उसे फिर से हरी छाव वाली चरागाह में वापस ले आया और झरनों के पास। और परमेश्वर जिसने सिंह को मेरे हाथों में कर दिया, और मैंने उसे घात किया जब उसने उस—उस मेमनो को पकड़ लिया, और उसने मुझे भालू को मारने दिया, इसलिए स्वर्ग का परमेश्वर मेरे साथ इस खतनारहित फिलीस्तीनी को घात करने मेरे साथ

जाता है।"

हमें पवित्र आत्मा की अगुवाई की आवश्यकता है। मैं अपने दिनों को नहीं जानता; कोई नहीं करता।

121 उन प्रात: मैं अपने पंलग में था। और मैं था... सोया हुआ था, और मैंने स्वप्न देखा कि जोसफ बीमार था, और मैंने उसे प्रार्थना करने के लिए उठाया। और जब मैं जागा, मैं बहुत ही विचलित था। मैंने कहा, "ठीक है, हो सकता है जोसफ बीमार होने वाला है।"

122 और मैंने देखा, मेरे आगे एक काली छाया थी, मेरा मतलब भूरे रंग की। और यह ऐसा प्रतीत हुआ कि यह मैं था। और मैंने उस पर ध्यान दिया। और इसके पीछे कोई श्वेत था, और यह वही था। मैंने अपनी पत्नी को देखा, यह देखने को यदि वह जागी हुई हो, तो मैं उसे दिखा सकूं, वह दर्शन देख सके। परन्तु वह सो रही थी।

123 मैंने कहा, "ओह, मुझे खेद है, प्रभु। परन्तु, यह मेरा जीवन था। आपको मुझे हर चीज में से जो मैंने की, बाहर निकलना है। हर बार कुछ भी हो सकता है, मैं इसे सोचता हूं, यह आप इसे कर रहे थे। और मैं यह अनुभव करता हूं कि यह शैतान था जो मुझे इससे अलग रखना चाहता था।" मैंने कहा, "यदि केवल आप मेरा मार्गदर्शन करे।" और जैसे ही मैंने देखा, मैंने मनुष्य का बहुत ही सुंदर मुख देखा जो मैंने कभी देखा। वह मेरे सामने था, पीछे देख रहा था। उसने अपना हाथ उठाया और मुझे पकड़ लिया, और *इस* ओर आगे जाने लगा। दर्शन समाप्त हो गया। पिछले रविवार सुबह, मैं प्रात: जल्दी उठ गया था। यह शनिवार था, यह दर्शन। पर...

124 मैंने हमेशा चिंता की, मैं हमेशा मरने के विषय में सोचता था। यह, मैं पचास वर्ष का हो रहा हूं, यह, मेरा समय नहीं है... बहुत अधिक नहीं सोचा। और मैंने सोचा कि उस दिव्य देह, स्वर्गीय देह में, मैं क्या होऊंगा। "क्या ऐसा होगा कि मैं अपने बहुमूल्य मित्रों को देख सकूंगा और, कहता, एक छोटी सी सफेद धुन्ध जा रही है, और कहती है, 'वहां भाई नेविल गए,' या, वह यह नहीं कह सकते, 'हैलो, भाई ब्रंहम'? और जब यीशु आता है, तब मैं फिर से मनुष्य होऊंगा।" मैंने अक्सर यह सोचा।

125 मैं स्वप्न देख रहा था कि मैं पश्चिम की ओर था। और मैं नीचे छोटे सेगाब्रश स्थान में से होता हुआ आ रहा हूं, और मेरी पत्नी मेरे साथ थी, और हम ट्राउट मछली का शिकार कर रहे है। और मैं रुक गया और—

और मैंने दरवाजा खोल दिया। और आकाश बहुत सुंदर था। वे ऐसे नहीं दिख रहे थे जैसे वे वहाँ घाटी पर थे। वे नीले थे, और सुंदर सफेद बादल। और मैंने पत्नी से कहा, मैंने कहा, "प्रिय, हमें यहाँ पर बहुत पहले होना चाहिए था।" वह बोली, "बालको के कारण, हमें होना चाहिए, बिली।" मैंने कहा, "अच्छा... " और मैं जाग गया।

126 मैंने सोचा, "मैं बहुत से स्वप्न देख रहा हूं! मैंने सोचता हूं क्यों।" और मैंने नीचे देखा, और वह मेरे पास लेटी थी।

127 और मैं अपने तकिये के ऊपर हो गया, जैसा कि आप बहुत से लोगों ने किया है, अपना सिर उस—उस सिरहाने तख्ते पर टिका दिया, और अपने हाथ सिर के पीछे कर लिए। और वहां मैं *इस* प्रकार से लेटा था। और मैंने कहा, "मैं सोचने लगा कि यह उस पार कैसा होगा। मैं पहले ही पचास का हो चुका हूं, और मैंने अभी तक कुछ नहीं किया है। यदि मैं प्रभु की सहायता के लिए कुछ कर सकू, क्योंकि मैं जानता हूं कि मैं मरणहार नहीं होऊंगा। मेरा आधा समय लगभग बीत चुका है, या आधे से अधिक। यदि मैं अपने लोगों के समान अधिक जीऊं, तब भी मेरा आधा समय चला गया है।" और मैंने यहाँ–वहां देखा। और मैं वहां पड़ा हुआ था, उठने के लिए तैयार। और मैंने कहा यह लगभग सात बजे का समय था। मैंने कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि मैं आज प्रात: कलीसिया में जाऊंगा। यदि मेरा गला खरखरा रहा है, मैं भाई नेविल को प्रचार करते हुए सुनना चाहता हूं।"

128 इसलिए मैंने कहा, "प्रिय, तुम जगी हुई हो? " और वह बहुत गहरी निंद्रा में थी।

129 और मैं इस में चूकना नहीं चाहता। इसने मुझे बदल दिया। मैं वही भाई ब्रंहम नहीं रह सकता जो मैं था।

130 और मैंने देखा। और मैंने सुना कोई चीज कहती जा रही है, "तुम अभी आरंभ कर रहे हो। लड़ाई में जोर लगाओ। जोर लगाते जाओ।"

131 एक मिनट को मैंने अपना सिर झटका। मैंने सोचा, "अच्छा, मैं शायद कुछ ऐसा सोच रहा था।" आप जानते हैं, एक व्यक्ति ऐसी कल्पना कर सकता है। और मैंने कहा, "शायद मैंने कल्पना की है।"

इसने कहा, "युद्ध में आगे बढ़ो। बढ़ते रहो। बढ़ते रहो।"

132 मैंने कहा, "हो सकता है मैंने यह कहा हो।" और मैंने अपने होठ दांतों में दबा लिए, और अपना हाथ अपने मुंह पर रख लिया।

133 और यह फिर आया, कहा, "बस आगे बढ़ते रहो। यदि तुम केवल यह जानते कि मार्ग के अन्त में क्या है!"

134 और यह ऐसा प्रतीत हुआ कि मैं ग्राहम स्नेलिंग को सुन सकता हूं, या कोई और जो इस प्रकार से गाना गाता है, (वे इसे यहां गाते हैं, एना माई और आप सब लोग।):

मुझे घर की याद आती है और दुखी हूं, और मैं यीशु
को देखना चाहता हूं,
मैं बंदरगाह की उन मीठी घंटियों को सुनना चाहता हूं;
यह मेरे मार्ग को उज्वल कर देगी और सारे भय को
समाप्त कर देगी;
प्रभु, मुझे समय के पर्दे के पार देखने दे।

आपने इसे कलीसिया में गाते हुए सुना होगा।

135 और मैंने किसी चीज को कहते सुना, "क्या तुम थोड़ा सा पर्दे के पार देखना चाहते हो? "

मैंने कहा, "इससे मुझे बहुत सहायता मिलेगी।"

136 और मैंने देखा। एक ही क्षण में, मैं... एक ही सांस में मैं एक ढलानदार स्थान में आकर खड़ा हो गया। मैंने पीछे मुड़कर देखा, और मैं वहां पंलग पर पड़ा हुआ था। और मैंने कहा, "यह एक विचित्र बात है।"

137 अब, मैं यह आपको दोहराना नही चाहता। यह मेरी कलीसिया के सामने है, या मेरी भेड़े जिनकी मैं चरवाही कर रहा हूं। पता नही ये, मैं इस शरीर में था या बाहर था, या यह रूपान्तरण था, यह दर्शन के समान नहीं था जो मैंने कभी देखा हो। मैं उधर देख सकता था, और मैं इधर देख सकता था।

138 और जब इस छोटे से स्थान पर पहुंचा, मैंने कभी भी इतने लोगो को दौड़ कर आते, चिल्लाते नही देखा, "ओह, हमारा बहुमूल्य भाई!"

139 और मैंने देखा। और युवा महिलायें, हो सकता है बीस वर्ष, अठारह या बीस के बीच की उम्र के होंगी, उन्होंने अपने हाथों को मेरे चारों ओर डाल दिया, और चिल्ला रहे थे, "हमारा बहुमूल्य भाई!"

140 इधर युवा पुरुष आये, अपनी शानदार युवा अवस्था में। और उनकी आंखें चमक रही थी और एक अंधेरी रात में सितारों के समान दिख रही

थी। उनके दांत मोतियो के समान सफेद थे। और वे चिल्ला रहे थे, और मुझे पकड़े हुए थे, और चिल्ला रहे थे, "ओह, हमारा बहुमूल्य भाई!"

141 और मैंने रुककर देखा। और मैं युवा था। मैंने मुड़कर अपनी बूढी देह को वहां पड़े देखा, मेरे हाथ मेरे सिर के पीछे थी। और मैंने कहा, "मैं इसे नहीं समझ पा रहा था।"

142 और यह युवा महिलाये मेरे चारों ओर अपने हाथ डाल रही थी। अब, मैं अनुभव करता हूं कि यह मिलीजुली मण्डली है, और मैं यह आत्मा की मिठास और कोमलता के साथ कहता हूं। कि पुरुष अपने हाथो को महिला के गले में बिना यौन अनुभूति के नही डाल सकते; परंतु यह वहां नहीं था। वहां कोई बीता कल ना ही आने वाला कल था। वे थकित नहीं होते थे। वे... मैंने अपने जीवन में इतनी सुंदर महिलायें कभी नहीं देखी। उनके बाल कमर तक लम्बे थे, लम्बे–लम्बे स्कर्ट उनके पैरों तक। और वे बस मुझे गले लगा रहे थे। यह आलिंगन मेरी अपनी बहन जैसा भी नही था, जो वहां बैठी है, यदि मुझे गले लगाए। वे मुझे चूम नहीं रहे थे, और मैं उन्हें चूम नहीं रहा था। यह कुछ ऐसा था जिसके लिए मेरे—मेरे पास वो—वो शब्द नहीं है, मेरे पास शब्द नहीं हैं कहने के लिए। "सिद्धता" इसे नहीं छुएगी। "उच्चम" भी इसे कही भी नहीं छू सकता। यह कुछ ऐसा जो मैंने कभी नहीं... आपको वहां होना ही है।

143 और मैंने *इस* ओर देखा, और *उस* ओर। और वे हजारों की संख्या में आ रहे थे। और मैंने कहा, "मैं यह नहीं समझता।" मैंने कहा, "अच्छा, वे... "

144 और वहां होप आयी। यह मेरी पहली पत्नी थी। वह दौड़ी, और मुझे बिल्कुल भी, "मेरे पति" नही कहा। उसने कहा, "मेरा बहुमूल्य भाई," और जब उसने मेरा आलिंगन किया, तो वहां एक और महिला वहां खड़ी थी, और तब होप ने इस महिला का आलिंगन किया; और प्रत्येक ने। और मैंने सोचा, "ओह, यह तो कुछ और ही होना चाहिए। यह नहीं हो सकता... यह तो कुछ है... " मैंने सोचा, "ओह, क्या मैं अपने उस पुराने शरीर में फिर से जाना चाहूंगा? "

145 तब मैंने चारो ओर देखा। मैंने सोचा, "यह क्या है? " और मैंने देखा, वास्तव में अच्छा। और मैंने—मैंने कहा, "मैं—मैं यह नहीं समझ सकता।" परन्तु प्रतीत हुआ कि होप ने, ओह, मेरा मेहमान सत्कार किया। वह बदली

नहीं थी, परन्तु मैंने मेहमान सत्कार।

146 और तब मैंने एक आवाज सुनी, जो मुझसे बोली, यह कमरे में थी, कहा, "तुम ने यह जो प्रचारा है पवित्र आत्मा है। यह सिद्ध प्रेम है। और इसके बिना यहाँ कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता।"

147 मैं अपने जीवन में इतना निश्चित कभी नही था, अब मैं अधिक हूं, कि यह सिद्ध प्रेम है, जो वहां प्रवेश करता है। वहां कोई जलन नहीं है। वहां थकान नहीं थी। कोई मृत्यु नहीं थी। रोग वहां हो ही नहीं सकता। मरणहारता; आपको बूढ़ा नहीं कर सकती—सकती। और वो... वे रो नहीं सकते। यह केवल एक आनंद था।

148 "ओह, मेरे बहुमूल्य भाई!" और वे मुझे ऊपर ले गए, और मुझे एक बड़े ऊंचे स्थान पर बैठा दिया।

149 मैंने सोचा कि, "मैं स्वप्न नहीं देख रहा हूं। मैंने पीछे मुड़ कर अपनी—अपनी देह को वहां पलंग पर पड़े हुए देख रहा था।"

150 और उन्होंने मुझे वहां पर बैठा दिया। और मैंने कहा, "ओह, मुझे यहां पर नहीं बैठना चाहिए।"

151 और यहां दोनों ओर से पुरुष और महिलायें अपनी पूरी युवा सुन्दरता में आए, चिल्ला रहे थे। और एक महिला वहां पर खड़ी थी, और वह चिल्लाई, "ओह, मेरा बहुमूल्य भाई! ओह, हम आपको यहां पर देखकर अति प्रसन्न हैं।"

मैंने कहा, "मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं।"

152 और तब वह आवाज जो मेरे ऊपर की ओर से मुझ से बोल रही थी, कहा, "तुम जानते हो, कि यह बाईबल में लिखा हुआ है कि भविष्यव्यक्ता अपने लोगों के साथ एकत्र किए जायेंगे।"

और मैंने कहा, "हां। मुझे यह वचन में याद है।"

कहा, "तो, यह जब तुम अपने लोगों के साथ एकत्र किए जाओगे।"

मैंने कहा, "तब वे वास्तव में होंगे, और मैं उन्हें अनुभव कर सकुंगा।"

"ओह, हाँ।"

153 मैंने कहा, "परन्तु, यह तो लाखों है। कि यह बहुत सारे ब्रंहम नहीं है।"

154 और उस आवाज ने कहा, "ये लोग ब्रन्हम नहीं है। यह तुम्हारे मत परिवर्तित लोग हैं। ये वे हैं जिनका तुमने प्रभु के पास ले आने के लिए मार्ग दर्शन किया है।" और कहा, "वहां उनमें से कुछ महिलायें है, जिन्हें तुम सोच रहे हो कि बहुत सुंदर है, ये नब्बे वर्ष से अधिक की थी जब तुमने इनका मार्ग दर्शन प्रभु की ओर किया। कोई आश्चर्य नहीं वे चिल्ला रही हैं, 'हमारा बहुमूल्य भाई!'"

155 और वे तुरंत ही सब एक साथ चिल्लाए, और कहा, "यदि तुम नहीं गए होते, तो हम यहां पर नहीं होते।"

मैंने चारों ओर देखा। मैंने सोचा, "भाई, मैं इसे समझ नहीं पाया।"

मैंने कहा, "ओह, यीशु कहाँ पर है? मैं उसे बहुत अधिक देखने की इच्छा रखता हूं।"

156 उन्होंने कहा, "अब, वह *वहां* से थोड़ा और ऊँचाई पर है।" कहा, "किसी दिन वह आपके पास आएगा।" समझे? कहा, "तुम एक मार्ग दर्शन के लिए भेजे गए हो। और परमेश्वर आएगा। और जब वह आता है, तब जो तुमने सिखाया उसके अनुसार तुम्हारा न्याय करेगा, पहले, भले ही वे भीतर जाए या ना जाए। हम तुम्हारी शिक्षा के अनुसार प्रवेश करेंगे।"

157 मैंने कहा, "ओह, मैं बहुत आनन्दित हूं। और पौलुस ने जो किया, उसे इस प्रकार खड़ा होना पड़ेगा? क्या पतरस को इस प्रकार खड़ा होना पड़ेगा? "

"जी हाँ।"

158 मैंने कहा, "तो फिर मैंने हर उसी वचन को प्रचार किया है जो उन्होंने किया। मैं इससे कभी भी विचलित नहीं हुआ, इधर या उधर। जहां उन्होंने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया, मैंने भी दिया। जहां उन्होंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा सिखाया, मैंने भी सिखाया। जो कुछ भी उन्होंने सिखाया, मैंने सिखाया।"

159 और वे लोग चिल्लाये, और बोले, "हम यह जानते हैं। और हम जानते हैं कि हम आपके साथ किसी दिन पृथ्वी पर वापस जा रहे हैं।" कहा, "यीशु आएगा, और तुम्हारे प्रचार के अनुसार तुम्हारा न्याय करेगा जो तुमने हमें प्रचारा। और तब यदि तुम उस समय ग्रहण किए गए, जो कि तुम होंगे, " और कहा, "तो तुम हमें उसके सामने प्रस्तुत करोगे, अपने सेवकाई के विजय

स्मारक के समान।" कहा, "तुम उसके पास हमारा मार्गदर्शन करोगे, और, हम सब साथ मिलकर, पृथ्वी पर हमेशा के रहने के लिए वापस आयेंगे।"

मैंने कहा, "क्या मुझे अब वापस जाना पड़ेगा?"

"हां। परन्तु आगे बढ़ते जाओ।"

160 मैंने देखा। और मैं लोगों को देख सकता था, जितनी दूर तक मैं देख सकता था, वे अब भी आ रहा थे, मेरे गले लगना चाहते थे, चिल्ला रहा थे, "हमारा बहुमूल्य भाई!"

161 तब ही आवाज ने कहा, "वो सब जिसे कभी तुमने प्रेम किया, और सब जिन्होंने तुम्हे कभी प्रेम किया, परमेश्वर ने तुम्हें यहां पर दिया है।" और मैंने देखा। और यहाँ मेरा पुराना कुत्ता चलता हुआ आ रहा है। वह मेरा घोडा आ रहा है, और अपना सिर मेरे कंधे पर रख दिया, और चांटने लगा। कहा, "वह सब जिसे तुमने कभी प्रेम किया, और सब जिसने तुम्हे कभी प्रेम किया, परमेश्वर ने उन्हें तुम्हारे हाथ में दिया है, तुम्हारी सेवकाई में होते हुए।"

और मैंने स्वयं को उस सुंदर स्थान में से हटते हुए अनुभव किया।

162 और मैंने चारों ओर देखा। मैंने कहा, "प्रिय, क्या तुम जागी हुई हो?" वह अब भी सोई हुई थी।

163 और मैंने सोचा, "ओह परमेश्वर! ओह, मेरी सहायता करे, हे परमेश्वर। मैं एक भी वचन के लिए समझौता ना करूं। मुझे ठीक वचन पर ही स्थिर रहने और इसे प्रचार करने दे। मैं चिन्ता नहीं करता क्या होता है, कोई क्या करता है; कितने भी शाऊल... कीश के पुत्र उठ खड़े हो, कितने भी *यह, वह* हो, या *कुछ* हो। और प्रभु, मुझे उस स्थान की ओर बढ़ने दे।" मृत्यु का सारा भय...

164 इस प्रात: यह मैं अपनी बाईबल के साथ जो मेरे सामने है कहता हूं। वहां मेरे पास एक छोटा लड़का पालन–पोषण के लिए है, चार वर्ष का। मेरे पास नौ वर्ष की लड़की है; और एक बाल्य अवस्था, जिसके लिए मैं धन्यवादित हूं, जिसने अपना मार्ग प्रभु की ओर कर लिया है। परमेश्वर, मुझे जीवित रहने दे, ताकि मैं उन्हें परमेश्वर की चेतावनी में पाल सकूं।

165 और उसके ऊपर, समस्त संसार मुझे चिल्लाता हुआ प्रतीत हुआ, नब्बे वर्षीय बूढी महिलाएं और पुरुष, और सब प्रकार के, "यदि तुम आगे नहीं

बढ़े होते, तो हम यहां पर नहीं होते।"

166 और, परमेश्वर, मुझे लड़ाई में बढ़ने दे। परन्तु यदि यह मरने पर आ रहा है, मैं ना रहूं। यह एक आनंद होगा, यह एक प्रसन्नता होगी, कि इस भ्रष्ट और इस अपमान से हट कर, प्रवेश करना।

167 यदि मैं वहां ऊपर एक अरब मील ऊंचा चौखुटा खण्ड बना सकूं, और यह सिद्ध प्रेम है, प्रत्येक पायदान इस प्रकार से, यह सकरा होता है, जब तक कि हम वहां ना पहुंच जाये जहां पर अब हम हैं। यह तो भ्रष्टता की लगभग एक छाया होगी, कि वह छोटी सी चीज जिसे हम समझ और अनुभव कर सके कि कहीं कुछ है। हम नहीं जानते कि वह क्या है।

168 ओह, मेरे प्रिय मित्रो, मेरे प्यारो, मेरे बहुत प्रिय इस सुसमाचार में, परमेश्वर में मेरे उत्पन्न हुओं बालको, मेरी सुनो, तुम्हारा पास्टर। तुम, मेरी इच्छा है कि कोई ऐसा मार्ग होता कि मैं आप लोगो को समझा सकता। कोई शब्द नहीं है; मैं इसे नहीं ढूंढ सकता; यह कहीं भी नहीं मिला। परन्तु इस अंतिम सांस के बाद, इतनी जबरदस्त महिमायुक्त बातें है जो कि आपने कभी... इसकी व्यख्या करने का कोई मार्ग नहीं है। कोई विधी नहीं। मैं बस इसे नहीं कर सकता। परन्तु आप जो भी करते हैं, मित्र, हर चीज को एक ओर रख दो, जब तक की आपको सिद्ध प्रेम ना मिल जाए। ऐसे बिन्दू पर आ जाओ ताकि आप सबसे प्रेम कर सके, हर शत्रु, हर चीज को।

169 वहां की एक भेंट ने मुझे एक भिन्न मनुष्य बना दिया। मैं कभी भी, कभी भी, वही भाई ब्रंहम नहीं हूं जो था। चाहे जहाज डगमगा जाए, चाहे बिजलियाँ चमके, चाहे भेदिये की बंदूक मुझ पर तनी हो, यह चाहे जो हो, इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता। मैं परमेश्वर के अनुग्रह से लड़ाई में आगे बढ़ने जा रहा हूं। क्योंकि, मैंने प्रत्येक सृष्टी को सुसमाचार प्रचार किया है और व्यक्ति को, जिसको मैं उस सुंदर देश के लिए उकसा सकता हूं जो वहां पर है।

170 यह कठिन प्रतीत हो सकता है। इसमें बहुत सामर्थ लग सकती है। मैं नहीं जानता कितने समय तक। शारीरिक भाषा में, हम नही जानते। वो... मेरे परिक्षण से, उसने उस दिन कहा, "तुम्हारे पास पच्चीस वर्ष कठिन, अच्छे जीवन के है। तुम मजबूत हो।" इससे मुझे सहायता मिली। परन्तु, ओह, यह वह नहीं था। ऐसा नहीं है। यह कुछ *यहाँ* भीतर है। इस नाशवान को अमरता को पहनना है। यह मरणहार उस अमरणहार को पहन लेगा।

171 कीश के पुत्र उठ सकते है। मैं... वे सारी अच्छी चीजें करते हैं, इसके विरोध में मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है, निर्धनों को दो और दान को। और स्मरण रखें, क्यों, शमूएल ने शाऊल को बताया कि, "तू भी भविष्यवाणी करेगा।" और उनमें से बहुत से मनुष्य महान, सामर्थी प्रचारक हैं, बली स्वर्गदूतो के समान प्रचार कर सकते हैं। परन्तु फिर भी यह परमेश्वर की इच्छा नहीं थी। परमेश्वर को उनका राजा होना था। भाईयो, बहनो, पवित्र आत्मा को अपना मार्ग दर्शन करने दो।

आइए एक क्षण के लिए हम अपने सिरों को झुकाएं।

मैं बहुत ही घर की याद में दुखित हूं, मैं यीशु को देखना चाहता हूं,
मैं उन बंदरगाह के मीठे घंटियों को सुनना पसन्द करता हूं;
यह मेरे मार्ग को प्रज्वलित करेगा और साफ करेगा सारे भय को;
प्रभु, हमें समय के परदे के पार देखने दो।

प्रभु, मुझे बीते दु:खों और भय के पर्दे में होकर देखने दो,
मुझे वह सूर्य वाली चमकीली दृष्य को देखने दो;
यह हमारे विश्वास को मजबूत करेगा और सारे भय को मिटा देगा;
प्रभु, मुझे बीते हुए समय के परदे के पार देखने दो।

172 प्रभु, मैं निश्चित हूं, यदि इस प्रात:, यह छोटी सी कलीसिया पर्दे के उस पार देख सके: कि उनके मध्य में कोई दु:ख नही है, वहां कभी नहीं हो सकता; एक रोग भी नहीं; कुछ नही केवल सिद्धता। और यह एक सांस की दूरी के मध्य बूढी अवस्था से युवावस्था, समय से अनंतता, आने वाले थकित कल से, और बीते कल के दु:ख, जब तक उस अनंतता के उपस्थित समय से सिद्धता में।

173 परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, कि यहां हर व्यक्ति को आप आशीषित करेंगे, प्रभु, यदि वे लोग, यहां पर हो जो आपको उस प्रकार से आपके प्रेम को ना जानते हो। और सच में, पिता, इस प्रकार के प्रेम को छोड़ कोई उस पवित्र स्थान में प्रवेश नहीं कर सकता, नए जन्म, फिर से जन्म लेने के

द्वारा। वह पवित्र आत्मा, परमेश्वर, प्रेम है, और हम जानते हैं कि यह सत्य है। यदि हम अपने विश्वास के द्वारा पर्वत को हिला दे, कोई अन्तर नही पड़ता यदि हम बड़ी–बड़ी चीजें करे, और फिर भी, उसके बिना हो, तो हम वहां की सीढ़ी पर नहीं चढ़ सकते। परन्तु उसके साथ, यह हमें संसार की चिंताओं से ऊपर उठा देगा। पिता, मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप यहां लोगों को आशीष देंगे।

174 और होने पाए, प्रत्येक व्यक्ति जिसने मुझे सुना है, इस प्रात: इस सत्य को बताते हुए, कि आप मेरे गवाह है, प्रभु, जैसे की पुराने समय का शमूएल, "क्या मैंने कभी आपके नाम से उन्हें कुछ बताया, सिवाये उसके जो सत्य था? " ये लोग न्यायी हैं। और मैं उन्हें बताता हूं, प्रभु, कि आप मुझे उस देश में ले गए। और आप जानते हैं कि यह सत्य है।

175 और अब, पिता, यदि यहां कोई ऐसा हो जो आपको ना जानता हो, होने पाए कि ये इस घडी में कहे, "प्रभु, मुझ में अपनी इच्छा रखेगे।" पिता, इसे प्रदान करे।

176 और अब, आप, अपने झुके हुए सिरों के साथ, क्या आप अपने हाथ उठाकर, और कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, मेरे लिए प्रार्थना करें, परमेश्वर मुझ में होगा।"

177 अब आप ठीक जहां पर हैं, वास्तव में मिठास के साथ, क्यों नही, आप पिता से कहते है, "परमेश्वर, आज मेरे हृदय में, मैं संसार की हर चीज को बहिष्कृत करता हूं। कि आपसे प्रेम करने के लिए और आपकी सेवा करने के लिए सारी चीजो को छोड़ता हूं। अपने सारे जीवन भर और मैं आज के दिन के बाद से आगे, आपके पीछे हर वचन में जो आपकी बाईबल में है, चलूंगा"? यदि आपका मसीही बपतिस्मा नहीं हुआ है, "प्रभु, मैं लुंगा।"

178 "यदि मैंने अभी पवित्र आत्मा प्राप्त नहीं किया है... " आप जान जायेंगे कि आपने इसे कब प्राप्त किया है। यह आपको—यह आपको देगा यह आपको विश्वास दिलाएगा और प्रेम जिसकी आपको आवश्यकता है। ओह, हो सकता है आपने भिन्न किया होगा, संवेदना हुई, जैसे कि आप चिल्लाये या बोले होंगे भाषाओ में, जो कि अच्छा है। परन्तु यदि वह दिव्य प्रेम नहीं है, मुझ पर विश्वास करें, कहे, "प्रभु, मेरे हृदय में रखे, और मेरे प्राण में, आपके आत्मा की पहुंच, ताकि मैं प्रेम, और सम्मान, और दिव्य प्रेम को आज अपने हृदय में पा सकूं, जो कि मुझे उस देश में ले जाएगा जब मेरी

अंतिम सांस मुझे छोड़ जाएगी," जबकि हम प्रार्थना करते हैं। अब आप अपने लिए प्रार्थना करें। अपने ही तरीके से, आप प्रार्थना करें, परमेश्वर से आपके लिए यह करने के लिए मांगे।

179 मैं आपसे प्रेम करता हूं। मैं आपसे प्रेम करता हूं। आप बहुमूल्य सफेद बालो वाले पुरुष जो यहां पर बैठे है, जिन्होंने कड़ा परिश्रम किया है और छोटे बालको को खिलाया है! आप बेचारी, बूढी मातायें, जिसने उनकी आंखों से निकलते हुए आंसुओ को सांत्वना दी! मैं आपको, प्रिय बहन, इस बात में निश्चित कर दूं, दूसरी सांस के बाद उस पार ऐसा नहीं है। मैं विश्वास करता हूं कि यह निश्चित ही कमरे में है। यह केवल एक आयाम है जिसमें हम रह रहे हैं। जिसमें अब हम रह रहे है केवल एक भ्रष्टता हैं।

180 "परन्तु प्रभु मेरे अन्दर की इच्छा तेरी ही इच्छा हो जाये।" जब हम एक साथ प्रार्थना करते हैं, तब आप प्रार्थना करे।

181 आदरपूर्वक, प्रभु, तेरे वचन के आधार पर और तेरा पवित्र आत्मा, हम यह जान कर प्रसन्न है कि हमारा जन्म कहां से आता है। हम आनन्दित हैं कि हम "मनुष्य की इच्छा से नही जन्मे, ना ही शरीर की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर की इच्छा से।"

182 और पिता आज हम प्रार्थना करते हैं, कि वे जो क्षमा का अनुग्रह मांग रहे हैं, कि आपका आत्मा इस कार्य को करेगा, प्रभु। इसे करने के लिए मेरे पास कोई विधी नहीं है; मैं मात्र एक मनुष्य हूं, कीश का दूसरा पुत्र हूं। परन्तु हमें आपकी आवश्यकता है, पवित्र आत्मा की।

183 परमेश्वर, मुझे शमूएल के समान होने दो, वह जो वचन के सत्य को बताये। और आपने इसे जहां तक प्रमाणित किया है, और मैं यह विश्वास करता हूं कि आप इसे तब तक निरन्तर जारी रखेंगे, जब तक मैं आपके साथ सच्चा बना रहूंगा।

184 पिता, होने पाये वे सब अब अनन्त जीवन पाये। होने पाए कि आज का दिन इनके जीवन से कभी अलग ना होने पाए। इस घड़ी में जब वे इस संसार को छोड़ने के लिए आए हैं, होने पाए कि यह, जो मैंने अभी उनसे कहा, एक वास्तविकता में खुल जाए। और जैसे कि हम आज यहां मरणहार बैठे हैं, अपनी घड़ी की ओर देख कर, अपने भोजन, कल के कार्य, चिन्ताओं और जीवन के परिश्रम के लिए सोच रहे है, तब यह नहीं होंगे। वे सब ओझल हो जायेंगे। वहां कोई चिन्तायें नहीं होगी; और अनंतता

का एक महान आनंद होगा। इन्हें इस प्रकार का जीवन दें, पिता, प्रत्येक। और होने पाए...

185 पिता, मैं आपसे यह मांगता हूं, प्रत्येक व्यक्ति जो यहां इस प्रात: है, जो मुझे यह दर्शन बताते हुए सुन रहा है, होने पाए मैं उनमें से प्रत्येक से उस पार मिलू; यद्यपि सम्भव है कि कुछ लोग यहां मुझसे सहमत ना हो, और महिलायें भी। परन्तु, पिता, यह हमारे मार्ग में आड़े ना आए। होने पाए हम उनसे वहां पर मिलें, और वे भी दौड़े, और हम एक दूसरे से मिले, चिल्लाये, "हमारे बहुमूल्य भाई।" इसे वैसा ही होने दो जैसा कि वहां दिखाया गया था, प्रभु, हर एक के लिए, वह सब जिससे मैं प्रेम करता हूं, और वे सब जो मुझसे प्रेम करते हैं। प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूं कि यह उसी प्रकार होगा। और मैं इन सब से प्रेम करता हूं। पिता, इन्हें प्रगट होने दे। अब मैं इन्हें अनंत जीवन प्रस्तुत करता हूं। होने पाए इसे स्वीकार करने के द्वारा, यह अपना भाग पूरा करें। क्योंकि मैं यह यीशु के नाम में मांगता हूं। आमीन।

186 हमारे पास बीमारों के लिए प्रार्थना करने के लिए कुछ क्षण हैं। मैं देखता हूं हमारे पास एक छोटी बीमार लड़की यहां पर है, और कुर्सी में एक महिला है।

187 अब, मेरे बहुमूल्य भाइयों, बहनों से, मुझे गलत ना समझे। मैं—मैं नहीं जानता कि क्या घटित हुआ। मैं नहीं जानता कि क्या घटित हुआ। परन्तु, परमेश्वर, जब मैं मरूं, मुझे वहीं वापस जाने दो। मुझे बस उसी स्थान में वापस जाने दे, ये वहां है, जहां मैं जाना चाहता हूं, वह जहां भी हो। मैं पौलुस बनने का यत्न नहीं कर रहा हूं जो तीसरे आसमान तक उठा लिया गया। मैं वह नहीं कह रहा हूं। मैं विश्वास करता हूं कि वह केवल मेरी हिम्मत बढ़ाने का यत्न कर रहा है, मुझे कुछ देने का यत्न कर रहा है कि मुझे थोड़ा सा बढ़ावा मिले, मेरी उस नई सेवकाई में जो आ रही है।

188 यदि मैं यहां कुछ पढ़ूं, तो क्या यह अनादरकारी प्रतीत होगा, बस एक मिनट? क्या यह ठीक रहेगा? हमारे राष्ट्र की एक मानी हुई पत्रिका, बिली ग्राहम:

> *डॉक्टर बिली ग्राहम का इस्लाम में निमन्त्रण, अफ्रीकन टाइम्स* के पहले पन्ने पर, फरवरी पंद्रह, 1960। लेख का लिखनेवाला, जो कि मुसलमान था, मोहम्मदीन, सोचता है कि आश्चर्यकर्म मसीह के सुसमाचार के साथ–साथ होने चाहिए, कल, आज और सर्वदा एक

सा है। हम उल्लेख करते हैं: "यह ये है: मसीह ने अपने अनुयायीयों से प्रतिज्ञा की है, जब उसने कहा, 'वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा; वह इस से भी बड़े–बड़े करेगा।' क्या कलीसिया ने कभी कार्य किए है, वे—वे गुण जो मसीह के बाईबल में है? क्या ये आज हो सकते है? क्या कोई विशेष कलीसिया है, जिसने आधे कार्य भी किए हो, जो मसीह ने आश्चर्यकर्म किए हो 'अधिक बड़े कार्य' नही कहता है? क्या आप, व्यक्तिगत रूप में, प्रसिद्ध, क्या आप, एक व्यक्ति के रूप में, मसीही विश्वास के समर्थक हो सकते हैं, ताकि मृतको को शारिरिक रूप में जीवित करे? क्या आप समुद्र पर चल सकते हैं? क्या आप बीमार को चंगा कर सकते हैं और अंधे को दृष्टि दे सकते हैं? क्या यह ऊपर के उल्लेख के अनुसार भ्रांती नही है, मुसलमान के द्वारा सामने रखा गया, या, रखा गया, या, मसीह के द्वारा परखा जाना कि अनुयायी बनाये जैसे कि किसी का कथन है या आपके विश्वास में? '" मुस्लिम लेख के लिए बहुत स्पष्टता से एक के बाद दूसरे कथन में आभाव है।

189 उन्होंने इस मुसलमान की भर्त्सना की, परन्तु वह ठीक था। परन्तु यहाँ वह है जो उन्होंने कहना था:

सबसे अच्छा उत्तर जो है, कि बाईबल पढ़ें, और कुरान को जानें। कुरान, कुरान यह सहती है कि... द्वारा... तुलना के द्वारा सहन किया है। यह दावा कि "मुसलमान धर्म उत्कृष्ट है और मसीही धर्म से आगे है," शुद्ध रूप से ये, (बी–ओ–एम्–बी–ए–एस–टी–आई–सी) बड़े बड़े शब्दों से भरा हुआ (मैं समझता हूं) ये कल्पना है। फिर भी, लेखक ने, आश्चर्यकर्मो पर जो कलीसिया से संबंधित है उन अत्यावश्यक सन्दर्भो को छुआ है। परन्तु हम फिर यहां पर लेखक की निष्कपटता पर संदेह करते हैं, क्योंकि वह जो आदरणीय विलियम ब्रन्हम की ओर संकेत कर सकता और उनके द्वारा किए गए आश्चर्यकर्मों पर जो दक्षिणी अफ्रीका में मुसलमानों के सामने, उन पर विवाद कर सकता है, जब दस हजार ने मसीह को उद्धारकर्ता स्वीकार किया डरबन दक्षिणी अफ्रीका विलियम ब्रन्हम की सेवकाई में, और कही भी समस्त संसार में, या टी. एल. ओसबोर्न पूर्वी अफ्रीका में? निसन्देह, हम बिली ग्राहम के लिए सौ प्रतिशत समर्थन करते हैं। हमने प्रश्न के सार पर बात की, जो नहीं है... प्रश्न के इस सार का

कोई मूल्य नहीं है।

190 परन्तु प्रत्येक अंश के बीच में (उसने मुझे बताया... कहा कि हम कट्टरपंथी है, हम नहीं जान पाए कि हम क्या कर रहे थे।), उन्हें अपने कही अखबार में गवाही देनी थी, कि परमेश्वर ने यह किया जो भी है। परमेश्वर आज भी वैसा ही परमेश्वर है, जैसा वह कभी था।

191 आप यह नहीं सोच सकते कि वे इसका विश्वास नहीं करते, वे इसे देखते नहीं है। यह छिपा हुआ ही नहीं है; यह कोने में नहीं किया गया है।

192 और सेकड़ो और हजारो लोग वहां बैठे हुए, इसे देख रहे थे। जब उन्होंने यह देखा कि विकलांग, पीड़ित लड़का वहां आया, पवित्र आत्मा ने उसके जीवन के विषय में उसे बताया, और–और बातें, और वहां क्या घटित हुआ। और देखिए दस हजार मुसलमानो ने स्वयं को भूमी पर लेट कर गिरा दिया, और यीशु मसीह को निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया।

193 हमारे पास अब भी टी. एल. ओसबोर्न, और आदि–आदि है, जो अब भी भेड़ों का चारा खिला रहे हैं। मैं समझता हूं भाई ओसबोर्न अभी तक मुसलमानों के मध्य में नहीं गए। वे दावा करते हैं कि वे, वे इतने प्रबल हैं। परन्तु हमारे पास अब भी एक परमेश्वर है जो भेड़ को सिंह से छुड़ा सकता है, भेड़ को भालू से छुड़ा सकता है।

194 यह जानकर मुझे अच्छा लगा कि उन्हें यह लिखना है और इसे मान्यता देना है। नहीं, वे सोचते हैं कि वे नहीं करते; वे चले गए और अपनी पीठ घुमा ली, और कहा, "आह, वे दिन बीत गए।"

195 मुसलमान ने कहा, "क्या वे? क्या तो समस्त बाईबल का समय बीत गया। आप सब गलत है। आप एक मनुष्य की आराधना कर रहे हैं, वह मनुष्य जो मर गया, और उसका नाम यीशु था। और वह बहुत वर्षो पहले मर गया, और ऐसी कोई बात नही है कि वह जीवित हो उठा था।"

196 परन्तु वे इस बात को डरबन की सभा में नहीं कह सके। वहां वह खड़ा हुआ उन्ही कार्यो को कर रहा था जो उसने किए, और उन्हें सिद्ध किया। अब उन—उन यहां तक की नामधारियो को भी वापस आना पड़ा, उसी व्यक्ति ने जिसने लिखा और मुझे बताया कि मुझे भी अपनी बाईबल शिक्षा को खोजना पड़ेगा वह वहां था, जिसे अपने अखबार में लिखना था। जो भी हो, तब, परमेश्वर उनसे अपनी महिमा करवाएगा। यह ठीक बात है। जैसे भी हो, वह उनसे अपनी महिमा करवाएगा।

197 यहां पर एक छोटी बीमार लड़की बैठी है। यह आपका बच्चा है? बहन, उसे क्या परेशानी है? [बहन कहती है, "सर की अन्दरूनी चीज।"—सम्पा।] महोदया? ["सर की भीतरी चोट।"] सर की भीतरी चोट। ["मैंने इसकी सर की भीतरी चोट के लिए बहुत वर्षो पहले लिखा था।"] ओह, हाँ। ["इस अगस्त में वह चार वर्ष से बीमार है।"] अगस्त में चार वर्ष। ["भाई नेविल उसे देखने वहां पर गए थे।"] ओह, यह मारिन्गो से है, या वही कहीं से? ["पाओली।"] पाओली। तो फिर यह वह लड़की है? केवल एक ही चीज है, माँ, लड़की को बचा सकती है: यही है, उसे परमेश्वर जानता है। ["वह पहले से बहुत अच्छी है।"] मुझे इस बात से प्रसन्नता है।

198 भाई नेविल, क्या आप इनके यहां प्रार्थना के लिए थे? [भाई नेविल कहते हैं, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] जब से भाई नेविल ने वहां जाकर प्रार्थना की है, वह पहले से अच्छी है। अब भी चरवाहे हैं जो भेड़ के भोजन को जानते हैं।

199 प्रिय बहन, आपकी क्या परेशानी है, जो वहां कुर्सी में बैठी हैं, आपकी? [एक बहन कहती है, "इन्हें कैंसर है।"—सम्पा।] कैंसर।

200 ठीक है, यदि मैं आप लोगो से ठीक यहीं पर कुछ पुछू। आप में से कितने यहां है जो कैंसर से... चंगे हुए हैं? अपने हाथ खड़े करे। बहन, इधर देखिए। ["वह व्यावहारिक रूप से बहरी है, और वह सुन नहीं सकती कि तुम क्या कहते हो।"—सम्पा।]

201 परमेश्वर चंगा करने वाला है। हम यह जानते हैं। यदि मैं आपसे यह कहूं, मैं जाकर वहां उसके दिमाग की चोट को जो लड़की को लगी है ले लुंगा और उसे चंगा कर दुंगा, तो मैं आपको गलत बताऊंगा, या, मैं इस महिला का कैंसर निकाल सकता हूं। परन्तु मैं एक बात जानता हूं, वहां एक भालू था (एक कैंसर, एक फोड़ा, एक अंधापन, और यहां तक कि मृत्यु) जिसने परमेश्वर की भेड़ को एक दिन जकड़ लिया, और मैं परमेश्वर की सामर्थ के साथ गया, और मैंने उसे मारा और भेड़ को वापस ले आया। यह ठीक बात है। और हम आज हैं, किसी बड़ी–बड़ी चीज के साथ नही, *आदि–और–आदि*। मैं छोटे से प्रार्थना के गोफन के साथ आगे जाता हूं। वह उसे वापस ले आएगा।

202 आप विश्वास करती है, क्या आप नहीं करती, बहन? आप भी विश्वास करती है, बहन, क्या आप करती है? आप में से अब कितने अपने हृदय

से विश्वास करते हैं?

203 अब आप अपने सिर झुकाये जबकि मैं प्रार्थना करता हूं।

204 प्रिय पिता, एक सुंदर नवयुवती यहां पर लेटी हुई है, जो कभी चल सकती, या आस–पास घूम सकती है, जब तक कि आप ही उसकी सहायता ना करे। शत्रु ने उसे पकड़ा है। वह किसी भी डॉक्टर की पहुंच से परे है। शत्रु ने उसे ऐसे दूर स्थान पर ला कर झटका है, कि डॉक्टर भी कुछ नहीं कर सके। लेकिन प्रभु यह आपकी पहुंच से दूर नहीं है। यह ठीक वहीं है जहाँ आप अपना हाथ उस पर रख सकते हैं। परमेश्वर के वचन के आधार पर, मैं अपने हाथों को इस युवा महिला पर रखता हूं, और इस दिमाग की चोट को निकम्मा ठहराता हूं। यीशु मसीह के नाम में, फिर से इसे साधारण महिला कर दे। यह परमेश्वर की महिमा के लिए जीवित रहेगी। होने पाए कि चंगी होकर, इस आराधनालय में अंदर और बाहर जाए, औरो के समान जो अंदर आए हैं, इसी के समान, परमेश्वर को महिमा दे। यीशु मसीह के द्वारा, ऐसा ही हो।

205 जैसे की उसके बाल पके हुए पीछे की ओर है हल्का किया जा रहा था, बस कुछ और गोल, और वह उस देश में सामने होगी, जहां मैंने कोई बूढी नहीं देखा, केवल यूवा। परंतु उसके प्रिय जन यहां बैठे हैं, रो रहे हैं, और वे इससे प्रेम करते हैं। एक बड़े शत्रु ने उसे जकड़ लिया है और डॉक्टर की पहुंच से दूर झटक दिया है, एक भयानक सिंह कैंसर का। परमेश्वर, मैं इसके पीछे आता हूं। मैं उसे वापस लाने के लिए आता हूं। मैं कैंसर के सिंह को घात करता हूं, उस ना हारने वाले मसीह के नाम में, जिसका मैं राजदूत हूं। होने पाए कि वह इसे छोड़ दे, और यह चंगी हो जाए, और अभी वर्षो तक जीवित रहे, परमेश्वर के सम्मान और महिमा के लिए, यीशु मसीह हमारे प्रभु के द्वारा।

206 अब, स्वर्गीय पिता, यह बस कोई बड़ा हथियार नहीं है, किसी वक्ता के चमकते भाले, भाषा और शब्दावली के साथ नहीं, परन्तु विश्वास का साधारण सा गुलेल। मैं इस प्राण के लिए आता हूं, और यह देह जो शत्रु कैंसर ने जकड़ रखी है, वह डॉक्टर की पहुंच से परे है। परन्तु प्रभु मैं उसके लिए आता हूं उसे हरी छायादार चरागाह में वापस लाता हूं और सोते के पास। जीतने वाले यीशु का नाम, जिसका मैं राजदूत हूं। निष्कपट विश्वास के साथ, मैं विश्वास करता हूं कि वह वापस लाई जाएगी, इस प्रार्थना की

सामर्थ के द्वारा जो हमने की है। ऐसा ही हो... ? ...

207 (मैं विश्वास करता हूं कि वहां एक बपतिस्मे की सभा है। क्या वहां है?) [भाई नेविल कहते हैं, "जी हां, श्रीमान। दो प्रचारकों के पास कुछ लोग बपतिस्मे के लिए अभी है।"—सम्पा।]

208 क्या एक क्षण के लिए आप अपना सिर उठायेंगे? पास्टर ने मुझे अभी–अभी है...

209 यह लोग बहुत ही, बहुत ही बीमार है। यह ठीक हो जाएंगे। केवल यह ठीक है... कोई बात नहीं। परमेश्वर की प्रतिज्ञा कभी असफल नहीं होती। हम उनके पीछे चलते हैं।

210 उनकी बपतिस्मे वाली सभा है। वहां कुछ लोग है जिन्हें जाना चाहिए। आज रात्री हम फिर सभा करने जा रहे हैं।

211 क्या यहां कोई ऐसा है जो आज रात्री नहीं आ सकेगा, और चाहता है कि हम आपके लिए अभी प्रार्थना करें, क्योंकि वह आज रात्री यहां नहीं हो सकेगा? तो क्या आप अब यहां आएंगे, आप जो आज रात्री नहीं आ सकते। आज रात्री, मेरे पास प्रार्थना पंक्ति के लिए बहुत समय है। इन्हें इन लोगों को बपतिस्मा देना है।

212 आपके पास वहां एक छोटा लड़का है? ठीक है। [एक भाई आगे आता और भाई ब्रन्हम से कहता है, "ठीक है, क्या मैं यह आपको दूं? "—सम्पा।] जी हां, भाई। आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। यह ठीक है यदि मैं इसे थोड़ी देर बाद पढ़ू या अभी? धन्यवाद, श्रीमान।

213 अब यदि आप हमें एक या दो मिनट अधिक दें, तब हम उस—उस बपतिस्मे की—की सभा करेंगे। मैं जानता हूं कि आप इसे देखना चाहेंगे।

214 और वे जो इस प्रात: बपतिस्मा चाहते हैं, आप, महिलायें *उधर* चली जाए ताकि अपने कपड़े बदले, और पुरुष *इस* ओर आ जाए। और फिर जब तक कि मैं इन बीमारो के लिए प्रार्थना कर रहा हूं, तब आप स्वयं को बपतिस्मे सभा के लिए तैयार कर ले। और वे अब जो...

215 अब, आज रात्री, मैं एक—एक छोटी सी प्रार्थना पंक्ति चलाना चाहता हूं, ठीक तब ही, जब वे भीतर आते हैं। और हम इफिसियों की पहली पुस्तक को आरंभ करने जा रहे हैं। और हम आपको भीतर पाकर प्रसन्न होंगे, यदि आपके पास जाने के लिए कोई कलीसिया नहीं है। परन्तु यदि

आपके पास अपना पास्टर और कलीसिया है, तो फिर आप—आप अपने बहुमूल्य आराधनालय को जिसका आप समर्थन करते हैं वहां उपस्थित हो।

216 यदि आप जहां आपको जाना है, और इस समय छोड़ने जा रहे हैं, परमेश्वर आपको आशीष दे। फिर से हमारे साथ हो जब आप हो सकते हैं। आपको पाकर हम आनन्दित होंगे।

217 भाई, क्या आपके लिए भी प्रार्थना होनी है? आपकी क्या परेशानी है? उच्च रक्तचाप।

218 अब, आप बाकी लोग, जबकि आप अपने सिरो को झुकाए हुए हैं, एक मिनट, हम प्रार्थना करना चाहते हैं।

219 पिता, आज मैं तेरा धन्यवाद करता हूं, इस छोटे चरवाहे की गोफन, वह प्रार्थना जिसने उस सिंह को उसके घुटनों पर ला दिया, और छोटा मेमना उससे छीन लिया गया, और वापस उसकी माता और पिता के पास ले जाया गया। मैं अपने भाई के लिए प्रार्थना करता हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसे भी भीतर सुरक्षा के साथ ले आएंगे, प्रभु। होने पाए कि उच्च रक्तचाप और परेशानियां इनके शरीर की थम जाए। मैं उसके पीछे जाता हूं, प्रभु, यीशु मसीह के नाम से उसे वापस लाता हूं। ऐसा ही हो। आमीन।

भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे।

नीचे जाते हुए, मैं आपको छोटे अंधे लड़के को पकड़े हुए देखता हूं।

220 मैं एक और बात कहना चाहता हूं। मेरे पास एक था... बहुत बीमार, उल्टी कर रहा था। और मैंने सोचा... मैं नहीं चाहता कि आप इसमें चूक जाए, यदि आप कर सके। मैंने सोचा, "परमेश्वर, मैं आपको क्या दूंगा यदि मैं किसी को बाहर रोक सकूं? मेरी पत्नी कहेगी, 'बिली, वहाँ एक बूढ़ा सज्जन व्यक्ति यहां आपसे मिलने के लिए है।'

221 "और यहाँ एक छोटा, गंजे सिर वाला व्यक्ति आता है, जिसके चेहरे पर भूरे रंग की मूंछे लटक रही है। वह चलकर आता, कहता, 'आप भाई ब्रन्हम है? '

"मैं कहूंगा, 'जी हां, श्रीमान, मैं हूं।'

222 "मेरा नाम शमौन है।' अपना हाथ मुझ पर रखे, और एक मिनट मेरी ओर देखे। कहे, 'आप एक विश्वासी हैं, भाई ब्रन्हम।'

"हां।'

223 "'यह ठीक हो जाएगा।' बाईबल के शमौन पतरस। मैं इसकी कितनी सराहना करूंगा! उसे ज्यादा कुछ नहीं कहना होगा। बस अपना हाथ मुझ पर रखो, ठीक हो जाओ।"

224 और फिर मेरे पास क्या आया, परमेश्वर की सहायता से, और परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, वहां दसियों हजार लोग एक ही बात का विश्वास करते हैं, यदि मैं उनके पास आऊं। और मैंने सोचा, "प्रभु, मुझे हर एक के पास जाने दो, तब मैं कर सकता हूं। मुझे बस—बस... "

225 मैंने सोचा, "यदि शमौन, या केवल पौलुस, उनमें से कुछ, बस आकर और कहते हैं, 'आप भाई ब्रन्हम? '

"हां।'

226 "अपने हाथों को मुझ पर रखो, और मेरी ओर देखो, और कहे, 'ठीक है, भाई ब्रन्हम,' बस बाहर चले जाओ।

227 "मैं ठीक हो जाऊंगा। मैं ठीक हो जाऊंगा। निश्चय ही। मैंने कहा... लड़के, मेरा साहस ठीक तब उठेगा। मैं कहूंगा, 'मैं ठीक हो जाऊंगा।'" जी हां, श्रीमान।

228 और आज लोग उसी बात का विश्वास करते हैं। और यही है जो मैं यहां करने के लिए नीचे आ रहा हूं, आप पर हाथ रखें, परमेश्वर से मांगे।

229 मैं इस छोटे लड़के के साथ जाना चाहता हूं, बहन, बस एक मिनट के लिए। वह एक छोटा, अंधा लड़का है। वह कितने समय से अंधा है? [एक बहन कहती है, "जब से जन्म हुआ है।"—सम्पा।] जब से जन्म हुआ है।

230 नमस्ते, छोटा लड़के! ओह, तुम बहुत अच्छे हो, छोटे लड़के... ? ...

231 ओह अनुग्रहकारी परमेश्वर! डॉक्टरों की पहुंच से परे, इस छोटे लड़के के जन्म पर, अंधा होकर जन्मा, और वह देख नहीं सकता; यह छोटा सुंदर, प्यारा लड़का। और यह बालक कि जीवन का इसे अवसर मिलता, शत्रु ने इसे डॉक्टरो की पहुंच से दूर झटक दिया। इसलिए, प्रभु इस प्रात: मैं इसके पीछे निकल कर बाहर आता हूं। यह साधारण छोटी सी, प्रार्थना की गोफन। परमेश्वर, मैं इसे वापस लाऊं। मैं शत्रू, उस शैतान से परमेश्वर यीशु मसीह के नाम से मिलता हूं, और मैं परमेश्वर के लिए इस लड़के पर दावा करता हूं। मैं परमेश्वर के लिए इसकी दृष्टि का दावा करता हूं, कि

शैतान ने जो इस से लूट लिया है उसको वापस दे दे। होने पाए कि वह इसे ले ले। यीशु मसीह के नाम में, यह होगा। अब, मैंने बोल दिया है।

232 अब, बहन, प्रिय, अब, इसमें थोडा भी संदेह ना करे परन्तु यह छोटा लड़का ठीक हो जायेगा। और मैं चाहता हूं कि आप इसे कलीसिया में वापस लाये, और लोगों को दिखाये, कि वह देख सकता है?

उसे उसकी दृष्टी यीशु मसीह के नाम में दे दे... ? ...

233 प्रभु यीशु, रखने के लिए... यह छोटा वाला जिसके लिए हमने बहुत प्रार्थना की है! परन्तु, आज प्रात:, मैं यीशु मसीह के नाम में आता हूं, और इस गोफन को जो आपने मुझे दी है उठाता हूं। और आपने इससे मेरी सहायता की है, प्रभु, आपकी सामर्थ के द्वारा लेकर... कैंसर के मुख से लेकर, और स्वयं मृत्यु के मुख से, मृतको को उठा दिया, उनकी मृत्यु की घोषणा होने के पश्चात, और अकड़े और ठंडे पड़े थे। मैं इस शत्रु के पीछे, यीशु मसीह के नाम से आता हूं। ताकि इसे वापस अच्छे स्वास्थ्य में फिर से ले आऊं, प्रभु। इसे ग्रहण करें। परमेश्वर की महिमा के लिए, ऐसा ही हो।

234 और आपके लिए प्रार्थना की जानी है? [एक बहन भाई ब्रन्हम से बात करती है—सम्पा।] आप एक विश्वासी हैं? ["जी हां।"] प्रभु, मैं इसे इस छोटी गोफन की पहुंच में लाता हूं। होने दे, यीशु मसीह के नाम में, यह इसे छोड़ दे और कभी वापस ना आए।

235 [एक बहन भाई ब्रन्हम से बात करती है—सम्पा।] अच्छा, तो फिर वही छोटा सा गोफन का वार, जिसने जाकर और भाई हार्ले को लिया, और आपकी पुत्री और आपके लिए है।

236 अब, स्वर्गीय पिता, मैं इस गोफन का प्रयोग करते हुए जो आपने मुझे दिया है शत्रु के पीछे आ रहा हूं, क्योंकि आपने कहा, "यदि तुम लोगों से विश्वास करवा पाए, और जब तू प्रार्थना करे तो निष्कपट रहे," तो वह छोटा वाला पत्थर खत्म करने के स्थान पर लगेगा। होने दे कि यह अब जाए, प्रभु, जैसा कि मैं इसे महिला की बिनती पर भेजता हूं। यीशु मसीह के नाम में, ऐसा ही हो। आमीन।

237 [एक बहन भाई ब्रन्हम से बात करती है—सम्पा।] ठीक है, बहन। अब हम लोग... तंत्रिकायें डॉक्टरों की पहुंच से परे है। वे आपको शांत करने के लिए कुछ तो दे सकते हैं, परन्तु यह आपको इसके पश्चात और खराब कर

देगा। जी हां। अब देखिए। हम इसके पीछे जाते हैं, इस सुबह। बाहर जाते है; आपको वापस लाने के लिए। [टेप पर खाली स्थान।]

238 प्रभु यीशु,... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... पांच छोटे पत्थर, एफ–ए–आई–टी–एच, विश्वास और प्रार्थना की गोफन। और मैं अपनी बहन को घबराहट के पंजे से वापस ला रहा हूं... ?... उस ओर। मैं उसे शांति में और हरी छांवदार चरागाह और स्थिर जल की ओर वापस ला रहा हूं। मैं यह यीशु मसीह के नाम में करता हूं। आमीन।

[एक बहन भाई ब्रन्हम से बात करती है—सम्पा।]

239 परमेश्वर पिता, यह छोटी लड़की, हम बहुत आनन्दित हैं कि यह मांस पेशी ऐठन नहीं था। परन्तु यह जो भी था यह अब भी, आपकी पहुंच में है, प्रभु। और मैं विश्वास की छोटी गोफन के साथ आता हूं और यह पत्थर। और मैं इस पत्थर को अपनी पूरी सामर्थ से जितनी मुझ में है मारता हूं। यीशु मसीह के नाम से, यह अपने निशाने पर लगे। हमारी बहन चंगी हो जाए। मैं यह यीशु मसीह के नाम में करता हूं।

[एक बहन भाई ब्रन्हम से बात करती है—सम्पा।]

240 जैसे कि यह युवा मां, और उसका छोटा सा बालक, वह उससे वहां उस पार मिलना चाहती है, उस महिमावाले देश में उस पार जिसके विषय में मैंने अभी–अभी कहा है, औरवे... वह मां छोटे बालक को पालने के लिए... ना जी सकेगी, और ना ही यह छोटा बालक आपकी सहायता के बिना अधिक जीवित रह सकेगा। परन्तु मैं गोफन के साथ आ रहा हूं, उस सारी सामर्थ के साथ और शत्रु पर निशाने के साथ। और यीशु मसीह के नाम में, मैं इस चीज को मारता हूं। वे चंगे हो जायेंगे, परमेश्वर की महिमा के लिए। यीशु के नाम में। आमीन।

[एक बहन भाई ब्रन्हम से बात करती है—सम्पा।]

241 ओह, यह बहुत अच्छा है। मैं प्रसन्न हूं। अच्छा, यह सेवकाई, तब लोगों की ओर संकेत करते हुए एक महान सेवकाई थी। इसने कार्यो की ओर संकेत किया... ?...

242 हमारे स्वर्गीय पिता, शैतान ने इस छोटी मां को डॉक्टरों की पहुंच से दूर झटक दिया है। प्रभु, वे केवल दवाई से वार कर सकते हैं, उस प्रकार से वह केवल इसे चारों ओर, चारों ओर से तोड़ देगा, और उसे कठिनाई

से ही मालूम पड़ेगा कि वह कहाँ पर है। और जब वह होश में आयेगी, तो वह बदतर होगी। परन्तु मैं विश्वास की इस गोफन के साथ आ रहा हूं, एक पत्थर के साथ, सीधे निशाने पर निशाना साधते हुए आ रहा हूँ। यीशु मसीह के नाम में, मैं इस बहन से घबराहट को लेता हूं, परमेश्वर की महिमा के लिए। आमीन।

[कोई भाई ब्रन्हम से बात करता है—सम्पा।]

243 प्रिय परमेश्वर, वहां भाई जॉर्ज पड़ा हुआ मर रहा हैं, बहुत अधिक समय नहीं हुआ, मैंने देखा है कि विश्वास ने उसके लिए क्या किया है। प्रभु, अब उसे जोड़ो का दर्द हो गया है। हम अनुभव करते हैं कि वे इसे कोर्टीजोन या गठिया आदि की दवा कुछ दे सकते हैं, जो एक प्रकार से दर्द में आराम देगा, परन्तु यह उस चीज को हटाएगा नहीं। इसलिए हम इस प्रार्थना का लक्ष्य यीशु मसीह के नाम पर रखते हैं। होने पाए गठिया रोग चला जाये। यह घर जाए और चंगा हो जाए।

धन्यवाद, भाई।

244 बहुत प्रिय, आप कैसे हैं? [एक बहन भाई ब्रन्हम के साथ बात करती है—सम्पा।] ओह, प्रभु! बहरापन। क्या आप ठीक सुन सकती हैं? उह–हुंह। बस मरणहार ज्ञान की पहुंच से परे! आप प्रभु यीशु में विश्वासी हैं? ["आमीन।"] इन दिनों में, मैं वहां एक सुंदर महिला को देखता हूं। आप फिर से सदा के लिए युवा हो जायेगी। मैं जानता हूं अब आप उसकी महिमा के लिए जीवित रहना चाहती हैं। वापस जा रही हैं...

245 [एक बहन कहती है, "नहीं, मैं अपने पुत्र के लिए दु:खी हूं।"—सम्पा।] आपका पुत्र। ["वह दो वर्ष हुए चला गया।"] क्या आप उसे ढूंढ नहीं सकती? ["वो परमेश्वर के हाथ में है।"] ओह, वह—वह चला गया? ["उह–हुंह। मृत्यु की घाटी में होता हुआ।"] ओह, वह। ["और मेरा दु:ख।"] दु:खी है। हां। ["मैं दु:खी हूं... और मैं ऐसा अनुभव करती हूं। और मुझे ऐसा लगता है, यदि यह परमेश्वर की इच्छा है, मैं चाहती हूं कि उसके लिए वह मुझे ले ले। उसमें कोई अप्रसन्नता नहीं है।"]

246 प्रिय बहन, मैं आपको वहां ले जाना चाहता हूं जहां आप अच्छा अनुभव करे। क्या आज प्रात: इन्होने दर्शन सुना? [दूसरी बहन कहती है कि, "यह ठीक सुन सकती है।"—सम्पा।] अच्छा, तो आप इन्हें बताये।

247 अच्छा, वो यह आपको बतायेगी कि क्या घटित हुआ। आपकी बस एक सांस के आगे, वह बहुमूल्य लड़का आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। आप उसी के समान युवा होंगी। प्रेम, केवल प्रेम... [बहन कहती है, "मैं ठहरना नहीं चाहती। मैं उसके पास जाना चाहती हूं, यदि यह परमेश्वर की इच्छा है।"—सम्पा।]

248 प्रिय स्वर्गीय पिता, जीवन जो दौड़ा जा चुका है। अब यहां कुछ और नहीं बचा। और इसका प्रिय लड़का, नदी के उस पार है, यदि वह केवल मुड़ कर देख सके, तो वह कहेगा, "कुछ ही दिनों ले लिए।" वह उस नाव की प्रतीक्षा कर रही है, प्रभु, जो उसे कोहरे में से होते हुए ले जाएगी उस अनुग्रहकारी देश में। इसे आशीष दे, पिता, और इसके हृदय को शांति दे। और नदी के उस पार, वह बड़ा मिलन होने पाए।

60–0515M वह बहिष्कृत राजा
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org